दैनिक बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास...

रोजाना एक्सरसाइज करने से जुड़े इन ...8

बलरामपुर

बुधवार , 24 जून 2026

वर्षः 05 अंक : 263 पृष्ठः 8

आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, में एक साथ प्रसारित ।

सम्पादक : राजेश शर्मा

9415163471, 9453824459 Dainik Budh ka sandesh @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

लखनऊ के भीषण अग्निकांड का कानपुर में असर, दो आर्टिस्ट की मौत के बाद अवैध इमारतों पर एक्शन लेने का आदेश

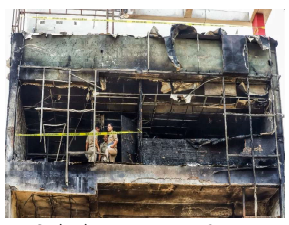

लखनऊ की एक व्यवसायिक इमारत में सोमवार को आग लगने की घटना में जान गंवाने वाले 15 लोगों में दो व्यक्ति कानपुर के थे जो एक एनिमेशन स्टूडियो में बतौर थ्रीडी आर्टिस्ट काम करते थे। अधिकारियों के अनुसार उनकी पहचान गोविंद नगर निवासी संयम विज (28) और बर्रा निवासी सूरजभान सिंह (24) के रूप में हुई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि संयम और सूरजभान उसी इमारत में स्थित एक थ्रीडी एनिमेशन स्टूडियो में काम करते थे। दोनों सहकर्मी और करीबी दोस्त थे। दोनों ने वर्षों पहले अपने पिता को खो दिया था। दोनों मित्र अपने–अपने परिवार का मुख्य सहारा थे। संयम के पिता पुष्पराज सिंह का करीब 15 साल पहले निधन हुआ था, वहीं सूरजभान के पिता शिवराज सिंह का भी निधन हो चुका है। रिश्तेदारों ने बताया कि संयम पिछले तीन साल से लखनऊ में था और साप्ताहिक अवकाश पर कानपुर आता था। मंगलवार को उसे दादी के श्राद्ध कार्यक्रम के लिए घर आना था।

अमोनिया रिसाव से 9 महिला मजदूरों की मौत, फैक्ट्री पर उठे गंभीर सवाल

सरकार ने बताया कि तमिलनाडु के तिरुवल्लुर जिले में एक प्राइवेट सीफूड प्रोसेसिंग और एक्सपोर्ट फैसिलिटी में अमोनिया गैस लीक होने से मरने वालों की संख्या मंगलवार को बढ़कर नौ हो गई। जहरीली गैस का यह रिसाव 21 जून को रूटीन इंडस्ट्रियल कामकाज के दौरान हुआ था और मरने वाले सभी लोग महिलाएं थीं। हेल्थ डिपार्टमेंट ने बताया कि 69 लोगों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया था और उनकी हालत पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। डिपार्टमेंट ने कहा कि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावित इलाके की निगरानी और जांच भी की जा रही है, जबकि जिला प्रशासन और हेल्थकेयर संस्थान इलाज, निगरानी और रिस्पॉन्स से जुड़े कामों में तालमेल बिठा रहे हैं। विभाग के अनुसार, मरने वाली महिलाओं में से सात ओडिशा की और दो असम की थीं। मरने वालों में से आठ की पहचान शिबानी, जुमानी जुआंग, गीता जुआंगा, पूर्णिमा जुआंगा, चंपावती जुआंगा, पार्वती जुआंगा, सीता हांसदा और अंजीता सोरेन के तौर पर हुई, जबकि एक व्यक्ति की पहचान अभी नहीं हो पाई थी। यह रिसाव पेरियापालयम के पास कनिगईपायरध्मंजुंगारनाई इलाके में मौजूद एक फैसिलिटी में हुआ।

कार्तिगई दीपम पर विवाद गहराया, मद्रास हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची तमिलनाडु सरकार

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने मद्रास हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है, जिसमें मदुरै जिले की थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर एक दरगाह के पास मौजूद पत्थर के खंभे पर कार्तिगई दीपम जलाने की इजाजत दी गई थी। यह स्पेशल लीव पिटिशन (स्च्) मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै बेंच की डिवीजन बेंच के 6 जनवरी के फैसले को चुनौती देती है। इस फैसले में दिसंबर 2025 में एक सिंगल जज द्वारा दिए गए उस आदेश को बरकरार रखा गया था, जिसमें भक्तों को दीपा थून (पत्थर के दीपक वाले खंभे) पर दीपक जलाने की इजाजत दी गई थी। यह याचिका 11 जून को सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई थी, जो

टीवीके प्रमुख विजय के नेतृत्व वाली नई सरकार के कार्यभार संभालने के कुछ ही समय बाद की बात है। यह विवाद थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी की चोटी पर मौजूद दरगाह से लगभग 50 मीटर दूर स्थित दीपा थून को लेकर है। कई भक्तों ने उस जगह पर पारंपरिक दीपक जलाने की इजाजत के लिए हाई कोर्ट का रुख किया था। हालांकि, राज्य के हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग ने, जो पहाड़ी की तलहटी में स्थित भगवान सुब्रमण्य मंदिर का प्रबंधन करता है, इस याचिका का विरोध किया। विभाग का तर्क था कि उस खास जगह पर दीपक जलाने की कोई स्थापित परंपरा नहीं है और यह रस्म पारंपरिक रूप से कहीं और निभाई जाती रही है। जस्टिस जीआर स्वामीनाथन ने याचिकाएं मंजूर करते हुए कहा कि दीया जलाने से दरगाह के अधिकारों का उल्लंघन नहीं होगा और भक्तों को यह रस्म निभाने से रोकना उनके धार्मिक अधिकारों का उल्लंघन होगा। जब राज्य प्रशासन ने आदेश लागू नहीं किया, तो अवमानना घ्घ्की कार्यवाही शुरू हुई, जिसके दौरान कोर्ट ने निर्देश दिया कि यह रस्म सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स की सुरक्षा में पूरी की जाए। इसके बाद, एक डिवीजन बेंच ने मूल आदेश और अवमानना कार्यवाही के दौरान जारी निर्देशों, दोनों को बरकरार रखा। राज्य सरकार ने पहले पिछले साल दिसंबर में अवमानना घ्घ्से जुड़े आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था, लेकिन याचिका सुनवाई के लिए लिस्ट नहीं की गई थी। जनवरी के अपने फैसले में, डिवीजन बेंच ने कहा कि दीया जलाने की अनुमति देने से कानून–व्यवस्था की कोई समस्या नहीं होगी।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर शुभेंदु अधिकारी ने दी श्रद्धांजलि, अर्पित किए पुष्प

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने दक्षिण कोलकाता स्थित केओरतला श्मशान घाट में मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर राज्य के वित्त मंत्री स्वपन दासगुप्ता और उद्योग मंत्री तापस रॉय भी उनके साथ मौजूद थे। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुखर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सार्वजनिक जीवन में उनकी अटूट निष्ठा, साहस और राष्ट्रीय हित के प्रति समर्पण पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''बलिदान दिवस पर मैं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। वह एक विशिष्ट राष्ट्रभक्त, विद्वान और राजनेता थे, जिन्होंने अपना जीवन भारत के विकास के लिए समर्पित कर दिया। सार्वजनिक जीवन में उनकी अटूट निष्ठा, साहस और राष्ट्रीय हित के प्रति प्रतिबद्धता पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने भी यहां मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

कश्मीरी पंडितों से महबूबा मुफ्ती बोलीं अतीत को भूल जाओ, बीजेपी ने कहा– दर्द को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा है कि कश्मीरी पंडितों को एक साझा भविष्य के निर्माण के लिए आगे बढ़ना चाहिए और अतीत को भुला देना चाहिए। वहीं भाजपा ने कहा है कि कश्मीरी पंडित समुदाय ने जो पीड़ा और कष्ट झेले हैं, उन्हें लोगों से अतीत को भूल जाने के लिए कहकर यूं ही नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हम आपको बता दें कि जम्मू–कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने मध्य कश्मीर के गांदरबल जिला स्थित प्रसिद्ध माता खीर भवानी मंदिर की यात्रा की और वार्षिक मेले के अवसर पर वहां आए कश्मीरी पंडितों से बातचीत की। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि मेले में बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडित आए हैं और कश्मीर के लोग पूरे दिल से उनका स्वागत करते

हैं। पीडीपी प्रमुख ने कहा, ''हम चाहते हैं कि हमारे कश्मीरी पंडित भाई–बहन अतीत में जो कुछ भी हुआ उसे भूल जाएं और भविष्य की ओर देखें।'' हालांकि, मुफ्ती जब खीर भवानी मंदिर पहुंची, तो कश्मीरी पंडितों ने उनके खिलाफ नारेबाजी की। बाद में, जब महबूबा पत्रकारों से बात कर रही थीं, तो कश्मीरी पंडितों के एक अन्य समूह ने उन्हें टोकने की कोशिश की। वे उनसे बात करना चाहते थे, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री के साथ मौजूद लोगों ने उन्हें ऐसा करने नहीं दिया। कश्मीरी पंडितों ने ''जिस कश्मीर को खून से सींचा, वो कश्मीर हमारा है'' जैसे नारे लगाए। उनमें से कुछ ने ''भारत माता की जय'' का उद्घोष भी किया। पूर्व मुख्यमंत्री पत्रकारों से बात करती रहीं और बाद में चली गईं। इस बीच, सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में मुफ्ती ने कहा कि खीर भवानी मेले के दृश्य शब्दों से परे दिल को छू लेने वाले थे। उन्होंने लिखा, ''कश्मीरी पंडितों और मुसलमानों के बीच की गर्मजोशी और स्नेह ने अविश्वास और विभाजन की उन दीवारों को पार कर दिया है जिन्हें कुछ लोगों ने अपने एजेंडे के लिए खड़ी करने की कोशिश की थी। अब समय आ गया है कि हम अतीत की कैद से मुक्त होकर एक साझा भविष्य तैयार करें।'' महबूबा ने यह भी रेखांकित किया कि कश्मीर घाटी के बाहर इलाज कराने वाले कश्मीरियों का कश्मीरी पंडित चिकित्सकों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत और देखभाल की जाती है।

लखनऊ अग्निकांडः एसआईटी ने घटनास्थल का किया दौरा, घायलों से भी ली जानकारी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त निर्देश पर अलीगंज अग्निकांड की समग्र जांच तेज गति से जारी है। मंगलवार को दो सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) घटनास्थल पर पहुंचा। टीम ने इसके बाद केजीएमयू में भर्ती घायलों से भी मुलाकात की और उनसे घटना के संबंध में जानकारी ली। उत्तर प्रदेश विधि विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की टीम ने भी घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए हैं। एसआईटी के सदस्य अपर मुख्य सचिव (पर्यटन एवं संस्कृति विभाग) अमृत अभिजात और एडीजी

सुबह घटनास्थल पर पहुंचे। यहां उन्होंने करीब एक घंटे से अधिक समय तक बारीकी से पूरी बिल्डिंग का निरीक्षण किया। अमृत अभिजात ने कहा कि घटनास्थल की विभिन्न प्रकार से फोटो ली गई हैं। साक्ष्य जुटाकर जांच को तेजी से अंजाम दिया जा रहा है। अग्निकांड से संबंधित व्यक्तियों व विभागों से भी पूछताछ होगी। उसके बाद जांच रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जाएगा। एडीजी प्रवीण कुमार ने बताया कि हम लोगों ने घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण किया है। साथ में फॉरेंसिक की टीम ने सभी महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए हैं, जिनके आधार पर कुछ लोगों से पूछताछ की जाएगी। घटना से संबंधित हर विभाग के दायित्व को जांच दायरे में शामिल किया गया है। अग्निकांड पीड़ितों से भी जानकारी ली जाएगी। इसके बाद निर्धारित समय सीमा में जांच रिपोर्ट शासन को सौंपी जाएगी। घटनास्थल से निकलने के बाद एसआईटी ने केजीएमयू में भर्ती घायलों से भी मुलाकात की।

अयोध्या राम मंदिर दान में हेराफेरी

एसआईटी ने यूपी सरकार को सौंपी अपनी पहली जांच रिपोर्ट

अयोध्या । राम मंदिर में दान से जुड़े विवाद का फोकस अब मंदिर के कामकाज की जांच और प्रशासनिक देखरेख पर आ गया है। ताजा घटनाक्रम में, अयोध्या के जिला मजिस्ट्रेट शशांक त्रिपाठी को मंदिर से जुड़े कामों की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि अधिकारी मंदिर को मिले दान से जुड़े आरोपों की जांच कर रहे हैं। यह घटनाक्रम तब हुआ है जब कथित वित्तीय गड़बड़ियों की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने उत्तर प्रदेश सरकार को अपनी शुरुआती रिपोर्ट सौंपी है। यह रिपोर्ट लखनऊ के डिविजनल कमिश्नर विजय विश्वास पंत ने अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) संजय प्रसाद को सौंपी। अधिकारियों ने साफ किया है कि जांच अभी जारी है और और सबूत जुटाए जा रहे हैं। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को मिले दान के

हिसाब–किताब और उसके प्रबंधन को लेकर लगे आरोपों के बाद, उत्तर प्रदेश सरकार ने 13 जून को एसआईटी का गठन किया था। इस जांच में दान के रिकॉर्ड में गड़बड़ी और पैसे के संभावित गलत इस्तेमाल के दावों की पड़ताल की जा रही है। इस बीच, सुप्रीम कोर्ट में एक नई याचिका दायर की गई है, जिसमें ट्रस्ट के वित्तीय मामलों की कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की गई है। याचिका में थ्प्त दर्ज करने और कथित तौर पर गायब हुए फंड, वित्तीय अनियमितताओं और प्रशासनिक खामियों की जांच के लिए ब्ठप् की अगुवाई वाली ैप्ज बनाने की मांग की गई है। याचिकाकर्ताओं ने मंदिर के फाइनेंस से जुड़े सभी डोनेशन रजिस्टर, ऑडिट रिपोर्ट, **CCTV** फुटेज, बैंक रिकॉर्ड और डिजिटल डेटा को सुरक्षित रखने के लिए निर्देश देने की भी मांग की है।

नीट विवाद पर धर्मेंद्र प्रधान का बड़ा हमला

बोले– राहुल गांधी टुकड़े–टुकड़े ताकतों के साथ

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पेपर लीक विवाद के बीच नीट में बड़े बदलावों की योजना बताते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर अब तक का सबसे तीखा हमला किया है। इंटरव्यू में प्रधान ने कहा कि अगले साल से नीट के कंप्यूटर–बेस्ड फॉर्मेट में बदलने की संभावना है। उन्होंने ष्पेपर माफियाष् के खिलाफ सख्त कार्रवाई का वादा किया और राहुल गांधी पर राजनीतिक फायदे के लिए छात्रों के बीच डर फैलाने का आरोप लगाया। प्रधान ने कहा कि विपक्ष के नेता के तौर पर राहुल गांधी को सवाल पूछने का पूरा अधिकार है। लेकिन उन्हें छात्रों के मन में बेवजह डर पैदा नहीं करना चाहिए। उन्होंने परीक्षा सुधारों, छात्रों की चिंताओं और विरोध प्रदर्शनों पर भी बात की। जंतर–मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर रहे कुछ समूहों का जिक्र करते हुए प्रधान ने कहा, ष्जो लोग देश को

टुकड़े–टुकड़े करना चाहते हैं, वही लोग आज जंतर–मंतर पर ढोल बजा रहे हैं। (वही लोग जो देश को टुकड़ों में बांटना चाहते हैं, आज जंतर–मंतर पर ढोल बजा रहे हैं। क्या वहां कोई छात्र भी है?) कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) पेपर लीक और परीक्षा अनियमितताओं को लेकर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कई दिनों और रातों से जंतर–मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर रही है। मंत्री ने नागपुर के उस छात्र से जुड़े विवाद पर सबसे कड़ी आलोचना की, जिसका परीक्षा केंद्र अबू धाबी में आवंटित किया गया था। प्रधान ने दावा किया कि छात्र ने पोर्टल के जरिए खुद अबू धाबी को चुना था और यह पसंद कई बार रिकॉर्ड की गई थी। उन्होंने कहा कि बाद में **NTA** ने परिवार से संपर्क किया और छात्र को नागपुर से परीक्षा देने का मौका भी दिया। इसके बावजूद, उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने सार्वजनिक रूप से यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि यह सब साफ होने के बाद भी, राहुल गांधी ने इस मामले पर एक लंबा मैसेज पोस्ट किया। अगर राहुल गांधी में जरा भी नैतिकता और जवाबदेही बची है, तो उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए। प्रधान ने आगे आरोप लगाया कि गांधी किसी विवाद के शुरू होने का इंतजार कर रहे थे।

लखनऊ अग्निकांडः डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक बोले, किसी को बख्शा नहीं जाएगा, 4 गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने 23 जून को घोषणा की कि लखनऊ के अलीगंज इलाके में लगी जानलेवा आग, जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई थी, उसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस घटना के सिलसिले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है और कई अधिकारियों को सस्पेंड किया गया है। पाठक ने कहा कि कल रात से अब तक चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है और कुछ अधिकारियों को सस्पेंड भी किया गया है।ैप्ज

की रिपोर्ट के आधार पर इस मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगीय किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। कांग्रेस सांसद जेबी माथर ने ऐसी घटनाओं के बार–बार होने पर चिंता जताई और जवाबदेही तय करने और सुरक्षा के बेहतर नियम लागू करने की मांग की। उन्होंने ।छप् से कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसी घटनाएं बार–बार होती रहती हैं – हमने इसे दिल्ली में देखा और अब लखनऊ में। ऐसी घटनाओं पर नजर रखने के लिए क्या सिस्टम है? सरकार को यह पता लगाना चाहिए कि क्या गड़बड़ हुई और यह पक्का करने के लिए कड़े कदम उठाने चाहिए कि ऐसी घटनाएं कहीं भी दोबारा न हों।

लखनऊ पुलिस ने अलीगंज पुलिस स्टेशन इलाके की उस बिल्डिंग को सील कर दिया है जहां आग लगी थी। आम लोगों के आने–जाने पर रोक लगा दी गई है क्योंकि फोरेंसिक और फायर डिपार्टमेंट की टीमें सबूत इकट्ठा कर रही हैं। जगह को सुरक्षित रखने और जांच में मदद के लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा।

पद्म पुरस्कार विजेता 2026 : ममूटी-अल्का को पद्म भूषण, धुरंधर एक्टर R Madhavan को मिला पद्म श्री सम्मान

नई दिल्ली। इससाल के पद्म पुरस्कार विजेताओं को अवॉर्ड वितरण समारोह का दूसरा सेशन मंगलवार को आयोजित किया गया। देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में 2026 पद्म अवॉर्ड्स विनर्स को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह के दूसरे संस्करण में सिनेमा जगत कई हस्तियां शामिल रहीं, जिनमें आर माधवन, अल्का याग्निक और ममूटी जैसे कलाकारों के नाम शामिल रहे। जिन्हें पद्म पुरस्कार के अलग–अलग विशेष पुरस्कारों से नवाजा गया।

सिन्दूर खा किया आत्महत्या का प्रयास

जौनपुर। थाना मछलीशहर के भाटकापुरा गांव निवासी एक महिला ने पारिवारिक कलह से आहत होकर सिंदूर खाकर आत्महत्या का प्रयास किया है। महिला की पहचान भाटकापुरा गांव निवासी 40 वर्षीय कंचन के रूप में हुई है। हालत बिगड़ने पर महिला को जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

युवक को बदमाषों ने पीटा

जौनपुर। जलालपुर थाना क्षेत्र के बराई गांव निवासी एक व्यक्ति को आधा दर्जन बदमाशों ने बेरहमी से पीट दिया है। हालत गंभीर होने पर घायल को जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। इसी थाना क्षेत्र के बराई गांव निवासी गोविंद पटेल ने आरोप लगाते हुए बताया कि पुरेव गांव के पास अज्ञात बदमाश वहां आएं और उन्होंने उन पर हमला कर मारना पीटना शुरू कर दिया। फिल्हाल इस मामले को लेकर पुलिस जांच में जुट गई है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ती को मिला कुपोषित बच्चा, शुरू हुई जांच

सिरौलीगौसपुर–बाराबंकी। शासन के तमाम प्रयासों के बावजूद कुपोषण की समस्या से निजात नहीं मिल रही है। क्षेत्र के ग्राम सफीपुर में आंगनबाड़ी कार्यकत्री तारा वर्मा को गृह भ्रमण के दौरान एक कुपोषित बच्चा मिला। जिसके बाद वह उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिरौलीगौसपुर ले गईं।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मेडिकल ऑफिसर डॉ. देव प्रताप सिंह ने बच्चे की जांच की। जांच के दौरान बच्चे में गंभीर कुपोषण के लक्षण पाए गए, जिसके बाद उसे पोषण पुनर्वास केंद्र रेफर कर दिया गया।सूचना मिलने पर बाल विकास परियोजना अधिकारी अर्चना वर्मा एनआरसी केंद्र पहुंचीं और बच्चे को भर्ती कराया। उन्होंने बताया कि बच्चे को 14 दिनों तक एनआरसी में विशेष पोषण आहार और चिकित्सकीय देखभाल प्रदान की जाएगी।डॉ. देव प्रताप सिंह ने जानकारी दी कि 6 माह से 5 साल तक के गंभीर कुपोषित बच्चों को एनआरसी में भर्ती कर सामान्य श्रेणी में लाया जाता है। इस प्रक्रिया के दौरान अभिभावकों को भी पोषण संबंधी प्रशिक्षण दिया जाता है, ताकि वे घर पर बच्चे की उचित देखभाल सुनिश्चित कर सकें।आंगनबाड़ी और स्वास्थ्य विभाग की तत्परता के कारण बच्चे को समय पर इलाज मिल पाया। क्षेत्र में कुपोषण की रोकथाम के लिए वीएचएनडी ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस सत्र और गृह भ्रमण कार्यक्रम लगातार चलाए जा रहे हैं।

निकला अलम का जुलूस, सतर्क रहा प्रशासन

सिरौलीगौसपुर–बाराबंकी। कस्बा बदोसराय में 6 मुहर्रम को अलम का जुलूस निकाला गया। यह जुलूस किंतूर से शुरू होकर रसूलपुर होते हुए पूरे बदोसराय कस्बे में भ्रमण किया। इसमें बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए।जुलूस के दौरान पूरे रास्ते श्या हुसैन, या हुसैनश् के नारे गूंजते रहे। इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हुए अकीदतमंदों ने नौहा पढ़ा और मातम किया। इस दौरान माहौल में गंभीरता बनी रही। जुलूस के रास्ते में जगह–जगह सबीलें लगाई गई थीं। समाजसेवियों ने पानी, शर्बत, लंगर और अन्य खाद्य सामग्री का वितरण किया।सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। कोतवाल राम अवतार सरोज के नेतृत्व में भारी पुलिस बल जुलूस के साथ चल रहा था। संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल और पीएसी भी तैनात की गई थी।पुलिस कर्मियों ने जुलूस की निगरानी के लिए कैमरे से वीडियो रिकॉर्डिंग भी की।

अंग्रेजी शराब की दुकान में लाखों की चोरी

दरियाबाद–बाराबंकी। कोतवाली दरियाबाद अन्तर्गत बीती रात को अज्ञात चोरों ने मथुरानगर स्थित शिवबालक के नाम संचालित अंग्रेजी शराब की दुकान में चोरों ने सेंध लगाकर लाखों की चोरी की वारदात को अंजाम दियासुबह दुकान खुलने पर सेंध कटी देख कर्मचारियों के होश उड़ गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। दुकान में कार्यरत सेल्समैन चंद्रेश और राजेंद्र ने बताया कि शनिवार और . बिक्री का पैसा दुकान में ही रखा था। बैंक अवकाश होने के कारण रकम जमा नहीं हो सकी थी। दुकान में करीब एक लाख 20 हजार रुपये नकद रखे थे, जिन्हें चोर अपने साथ ले गए। चोर कैमरे का डीवीआर भी उठा ले गए। कोतवाल धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि मामले में एक व्यक्ति पर चोरी की आशंका जताते हुए आरोप लगाया गया है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है और जल्द ही घटना का खुलासा किए जाने का दावा किया है।

सड़क हादसे में महिला की मौत, पुत्र गंभीर

जौनपुर। थाना शाहगंज के सुरिस गांव के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हुई महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई है। क्षेत्र के छिड़वां भादी गांव निवासी 50 वर्षीय सुशीला राजभर अपने 26 वर्षीय पुत्र जोगिंदर राजभर के साथ बाइक पर बैठ कर अपनी बेटी के यहां किसी कार्यक्रम में जा रहीं थीं। कुछ देर बाद जैसे ही वह दोनों लोग सुरिस गांव के पास मौजूद धर्मकांटा के पास पहुंचें वैसे ही किसी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। अज्ञात वाहन की जोरदार टक्कर से दोनों मां बेटे गंभीर रूप से घायल हो गएं।घटना के बाद वहां पहुंचे लोगों की मदद से उन्हें इलाज के लिए राजकीय चिकित्सालय भेजवाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनकी हालत को गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद वहां पहुंचे परिजनों ने दोनों घायलों को जिला अस्पताल ले जाने के बजाय एक नीजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान सुशीला राजभर की मौत हो गई।हादसे में घायल जोगिंदर की अब भी हालत गंभीर बताई जा रही है।

लाखों रुपये की चोरी दस दिन बाद एफआईआर

जौनपुर । पूर्व एचसीपी रामलखन यादव के घर हुई लाखों रुपये की चोरी के मामले में आखिरकार 10 दिन बाद एफआईआर दर्ज कर ली गई. पीड़ित परिवार का आरोप था कि पुलिस उनकी शिकायत दर्ज करने में टालमटोल कर रही थी और चोरी हुए आभूषणों के बिल व अन्य दस्तावेज मांग रही थी.। आजमगढ़ जिले के देवगांव थाना क्षेत्र के चेवार गांव निवासी रामलखन यादव पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त हैं. उन्होंने वर्ष 2017 में रिटायरमेंट के बाद जौनपुर के नगर कोतवाली क्षेत्र स्थित ख्वाजादोस्त भौराजीपुर मोहल्ले में मकान खरीदा था. इस मकान में उनके बेटे विजय प्रताप यादव और बहू रहते हैं. रामलखन अपने पैतृक गांव आजमगढ़ रहते हैं।

फर्नीचर व्यवसाई के शिकायत पर वन दरोगा को एंटी करप्शन टीम ने रिश्वत लेते हुए पकड़ा, मुकदमा हुआ दर्ज

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोन्डा। जनपद में जहां भ्रष्टाचारियों का मनबढ़ रौवैये देखने को मिल रहा है तो वहीं अंकुश लगाने के लिए एंटी करप्शन भी लगातार कार्यवाही के लिए चर्चा में है।बता दें हाल ही में एंटी करप्शन की टीम ने मंगलवार को भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्यवाही करते हुए एक वन दरोगा को 6000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरतार किया। चर्चा के मुताबिक तरबगंज तहसील क्षेत्र के वन क्षेत्राधिकारी कार्यालय परसदा में की इस कार्यवाही से हड़कंप मच गया है।फर्नीचर व्यवसायी राधेश्याम से रिश्वत लेते वन दरोगा बालक

को पकड़ा एन्टी करप्शन ने गिरतार कर कब्जे में लेकर कानूनी कार्यवाही कर रही है।गिरतारी के बाद एंटी करप्शन टीम वन दरोगा को तरबगंज थाने लेकर पहुंचे,जहां उनसे और व्यवसायी राधेश्याम से पूछताछ की जा रही है। लोगो के अनुसार दरोगा बालक राम लगातार राधेश्याम को धमकी देकर रिश्वत वन दरोगा के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा भी दर्ज किया जा रहा है।फर्नीचर व्यवसायी राधेश्याम नवाबगंज थाना क्षेत्र के गोपसराय गांव के निवासी हैं और अपने घर से ही फर्नीचर का व्यवसाय चलाते हैं,आरोप है कि वन की मांग कर रहे थे।दरोगा ने राधेश्याम से दुकान चलाने के लिए दस हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी और ऐसा न करने पर दुकान बंद कराने की धमकी दी थी। राधेश्याम के द्वारा मान–मनौव्वल के बाद रिश्वत की रकम छः हजार रुपये पर सहमत हुए। इस उत्पीड़न से परेशान होकर राधेश्याम ने गोन्डा एंटी करप्शन थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी।शिकायत के आधार पर मंगलवार को एंटी करप्शन टीम ने जाल बिछाया और वन क्षेत्राधिकारी कार्यालय परसदा पहुंची और बालक राम को छरू हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया।एंटी करप्शन प्रभारी धन्नजय सिंह ने इस कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि वन दरोगा बालक राम को छः हजार रुपये रिश्वत लेते हुए गिरतार किया गया है।फर्नीचर व्यवसायी को दुकान चलाने के नाम पर लगातार धमकी देकर रिश्वत मांग रहा था।बालक राम के खिलाफ तरबगंज थाने में भ्रष्टाचार का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

मंडलायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को पूर्व की स्थितियों को देखते हुए तैयारी पूर्ण करने के दिये निर्देश

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोन्डा। जनपद के मंडलायुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल अध्यक्षता में सम्भावित बाढ़ को देखते हुए राहत एवं बचाव कार्य के लिए अबतक की गई तैयारियों की मण्डलीय समीक्षा बैठक महाराजा सुहेलदेव सभागार में की गई। जिसमें मंडलायुक्त ने मण्डल के जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ बिन्दुवार तैयारियों की समीक्षा की एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये। मंडलायुक्त ने बाढ़ से बचाव हेतु राहत एवं बचाव कार्य के लिए सभी व्यवस्थाएं पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होने निर्देशित किया कि सभी बाढ़ शरणालयों

को व्यवस्थित रखा जाए तथा शरणालयों में चिकित्सा व्यवस्था दुरूस्त रहे, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।समीक्षा के दौरान मंडलायुक्त ने बताया कि शासन से प्राप्त निर्देशों एवं स्थानीय परिस्थितियों की .ष्टिगत बाढ़ से संबंधित समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली जाय जो भी कमियां है उनको युद्ध स्तर पर कराकर पूर्ण कर ली जाए और यह भी ध्यान दिया जाए जो भी बाढ़ शरणालयों का चिन्हांकन करके सभी आवश्यक ड्यूटी लगा दी गयी हैं।जिन जनपदों में राहत सामग्री का टेंडर नहीं हुआ है जून माह मे पूर्ण कर लिया जाय। सभी जनपदों में मेडिकल टीम एवं सर्विलांस टीम लगा दी जाए जनपद मे अधिकारियों, नाविकों, और आपदा मित्रों को बाढ़ पूर्व प्रशिक्षित किया जायेगा।ग्राम स्तर पर राहत चौपालों का आयोजन किया जायेगा जिससे आम नागरिक को बाढ़ के समय की जाने वाली कार्यवाही की जानकारी रहे।पूर्व मे आयी बाढ़ के अनुभवों से सीखकर नागरिकों की सुरक्षा के लिए सभी जरूरी उपाय किये जा रहे हैं।इस अवसर पर अपरआयुक्त राजेश कुमार यादव संयुक्त विकास आयुक्त राकेश कुमार पांडेय,अन्य जनपदीय अधिकारी गण मौजूद रहे

संजय गांधी की पुण्यतिथि पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि, मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

पयागपुर (बहराइच)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व सांसद तथा युवाओं के प्रेरणास्रोत रहे स्वर्गीय संजय गांधी की 46वीं पुण्यतिथि पर सोमवार को कांग्रेस नेता विनय सिंह एवं युवा नेता नरेंद्र मिश्रा के नेतृत्व में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यकर्ताओं ने संजय गांधी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।इसके बाद मलूक सिंह पुरवा स्थित गौशाला में पहुंचकर अनाथ गौवंशों को स्वल्पाहार कराया तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामवासियों के साथ जन–सत्याग्रह करते हुए चार सूत्रीय मांगों का ज्ञापन उपजिलाधिकारी पयागपुर के माध्यम से उत्तर प्रदेश के राज्यपाल को भेजा गया।ज्ञापन

में बबया रेलवे पुल से कोट बाजार–ककरहा कुट्टी संपर्क मार्ग को अतिक्रमण मुक्त कराकर तत्काल निर्माण कराने, गांव के परिक्रमा मार्ग को कब्जामुक्त कराकर सत्यापन के उपरांत स्थापित करने, गौशाला में गौ संरक्षण हेतु आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा पंचायत भवन से बाले पुरवा और बाले पुरवा से दर्जी टोला तक संपर्क मार्ग को दुरुस्त कराने की मांग प्रमुख रूप से शामिल रही।इस अवसर पर कांग्रेस नेता विनय सिंह ने कहा कि यदि मांगों का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो 9 अगस्त से व्यापक जनआंदोलन शुरू कर आर–पार की लड़ाई लड़ी जाएगी। वहीं कार्यक्रम संयोजक नरेंद्र मिश्रा ने कहा कि प्रदेश सरकार सड़कें गड्ढा एवं अतिक्रमण मुक्त होने का दावा कर रही है, लेकिन उनके गांव के लोग आज भी मूलभूत सुविधाओं के अभाव में नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं।कार्यक्रम में ग्रामसभा सदस्य चंद्र कुमार मिश्र, चंद्र किरण मिश्रा, मोहम्मद निजाम, गौतम प्रसाद मिश्र, गजराज केवट, राजित राम, सोहन लाल, हनीफ, मोहम्मद शरीफ, ननमुन राम, सरन चौहान, मोलहे, प्रदीप, पप्पू गंगाराम, झगरु, खेलावन, रक्षाराम एवं सम्भर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। वक्ताओं ने जनहितकारी आंदोलन को समर्थन देते हुए स्वर्गीय संजय गांधी के व्यक्तित्व एवं .तित्व पर प्रकाश डाला।

मोबाइल दुकान में लगी आग लाखों का समान हुआ राख'

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोन्डा। जनपद के थाना कोतवाली देहात अन्तर्गत चौकी सालपुर बाजार में सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब एक मोबाइल दूकान मे अचानक आग लग गई। स्थानीय लोगों से प्राप्त सूचना के अनुसार मंगलवार की सुबह तड़के करीब 3 बजे एक मोबाइल की दुकान में भीषण आग लग गई।आग की लपटे बाहर निकलने पर पास पड़ोस के लोगो को इस घटना की जानकारी हुई मौके पर सालपुर चौकी प्रभारी सहित फायर ब्रिगेड की गड़बड़ी ने लगे आग को बुझाया।

आग इतनी भयावाह थी की बाहर खड़ा ई–रिक्शा आंशिक रूप से झुलस गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रात तीन बजे दुकान से धुआं उठता देखा गया।कुछ ही देर में लपटें तेज हो गईं।शटर बंद होने से आग अंदर ही भड़कती रही।सूचना मिलते ही सालपुर चौकी इंचार्ज सावन कुमार सिंह के दलबल सहित पूरा स्टाफ मौके पर पहुंच गया। पुलिस और स्थानीय लोगों ने फायर ब्रिगेड के आने तक आग फैलने से रोका। फायरकर्मियों ने आग पर काबू पाया।हादसे में दुकान में रखा लाखों का सामान जलकर राख हो गया।वहीं दुकान संचालक इंद्रराज वर्मा ने बताया कि आग में करीब 1 लाख रुपये नकद,सिक्के व अन्य सामान नष्ट हो गया।इस घटना में लगभग 10 लाख रुपये का नुकसान हुआ है।वहीं लोग अनुमान लगा रहे हैं कि आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट हो सकता है।चौकी इंचार्ज सावन कुमार सिंह ने मौके का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है।हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

ऊर्जा मंत्री से मिले हरैया विधायक, बिजली व विकास योजनाओं पर हुई चर्चा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बस्ती। हरैया विधायक अजय सिंह ने मंगलवार को लखनऊ में प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा से शिष्टाचार भेंट कर विधानसभा क्षेत्र की विद्युत समस्याओं एवं विभिन्न विकास परियोजनाओं के संबंध में विस्तृत चर्चा की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र में बेहतर विद्युत व्यवस्था और विकास कार्यों को गति देने के लिए कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव मंत्री के समक्ष रखे। विधायक ने विक्रमजोत एवं मखौड़ा पावर हाउस में संबंधित ठेकेदारों की लापरवाही के कारण उत्पन्न हो रही विद्युत समस्याओं का मुद्दा प्रमुखता से उठाते हुए इनके स्थायी समाधान तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की। उन्होंने हरैया से 33 केवी

परसरामपुर पावर हाउस के बाईफरकेशन कार्य को शीघ्र पूरा कराने का आग्रह किया। विक्रमजोत फीडर पर नए 10 एमवीए ट्रांसफॉर्मर की स्थापना के लिए मंत्री का आभार व्यक्त किया। इसके अलावा विक्रमजोत ब्लॉक के केनौना में नए विद्युत उपकेंद्र की स्वी.ति पर भी आभार व्यक्त किया। दुबौलिया ब्लॉक के बरसांव में भूमि संबंधी प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद उपकेंद्र निर्माण कार्य जल्द प्रारंभ कराने की मांग भी की। उन्होंने बताया कि दुबौलिया के खुशहालगंज में हाल ही में 5 एमवीए ट्रांसफॉर्मर की स्थापना हुई है। नगर पंचायत हरैया के समग्र विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी सकारात्मक चर्चा हुई। विधायक ने क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार, बेहतर विद्युत आपूर्ति तथा विकास योजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने पर जोर दिया। विधायक ने कहा कि उनका उद्देश्य किसी प्रकार का श्रेय लेना नहीं, बल्कि हरैया की जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग विकास कार्यों का श्रेय लेने की होड़ में लगे हैं, लेकिन जनता सब जानती है कि क्षेत्र की समस्याओं को लेकर किसने लगातार प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा विपक्ष को जवाब शब्दों से नहीं, विकास कार्यों से मिलेगा। उन्होंने कहा कि राजनीति उनके लिए प्रचार का माध्यम नहीं, बल्कि जनसेवा का संकल्प है और हरैया का सर्वांगीण विकास ही उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। विधायक ने विश्वास व्यक्त किया कि सरकार के सहयोग से क्षेत्र की लंबित समस्याओं का शीघ्र समाधान होगा और विकास कार्यों को नई गति मिलेगी।

पहले मसाले, अब दूध–घी में मिलावट का खुलासा, खाद्य विभाग की कार्रवाई

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। जिले में खाद्य पदार्थों में मिलावट के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत खाद्य विभाग की टीम ने शनिवार को वजीरबाग, खत्रीपुरा और डीहा क्षेत्रों में दूध, घी व दही की जांच की। जांच के दौरान खाद्य सामग्री में काफी मात्रा में संदिग्ध मिलावटी पदार्थ पाए जाने पर अधिकारियों ने नमूने संग्रहित कर प्रयोगशाला भेज दिए हैं।खाद्य सुरक्षा विभाग की इस कार्रवाई से संबंधित व्यापारियों में हड़कंप मच गया। विभागीय अधिकारियों के अनुसार प्रयोगशाला रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।गौरतलब है कि लगभग एक सप्ताह पूर्व भी जिले में चलाए गए अभियान के दौरान बड़ी मात्रा में मिलावटी धनिया, मिर्च और हल्दी पाउडर बरामद हुआ था, जिसे विभाग ने सीज कर दिया था। लगातार सामने आ रहे मिलावट के मामलों ने उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ा दी है। खाद्य विभाग ने लोगों से खाद्य सामग्री खरीदते समय सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध खाद्य पदार्थ की सूचना विभाग को देने की अपील की है।

खुटेहना नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 का खिताब मसढी के नाम

दैनिक बुद्ध का सन्देश

पयागपुर बहराइच। पयागपुर क्षेत्र के खुटेहना चौराहे पर आयोजित नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 का फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। क्षेत्र पंचायत पयागपुर एवं जिला पंचायत वार्ड संख्या 40 के अंतर्गत आयोजित इस प्रतियोगिता के फाइनल मैच में प्रमुख प्रतिनिधि पयागपुर समय प्रसाद मिश्रा ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर मैच का शुभारंभ किया।फाइनल मुकाबला परसिया आलम और मसढी की टीमों के बीच खेला गया। दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन मसढी की टीम ने दमदार खेल दिखाते हुए 3 ओवर शेष रहते जीत दर्ज कर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया।प्रतियोगिता में क्षेत्र के सम्मानित नागरिक, ग्राम प्रधान, खेल प्रेमी एवं हजारों ग्रामीण मौजूद रहे। खिलाड़ियों के उत्.ष्ट प्रदर्शन और दर्शकों के उत्साह ने पूरे आयोजन को यादगार बना दिया।विजेता टीम मसढी को रू0 21,000 तथा उपविजेता टीम परसिया आलम को रू0 11,000 का नगद पुरस्कार प्रदान किया गया।विजेता टीम मसढी को हार्दिक बधाई एवं उपविजेता टीम परसिया आलम को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएँ। साथ ही टूर्नामेंट के सफल आयोजन के लिए आयोजक फरियाद आलम एवं उनकी पूरी टीम को हार्दिक बधाई। खुटेहना की धरती पर खेल, उत्साह और खेल भावना का अद्भुत संगम देखने को मिला।

बड़े मंगल पर रमपुरवा में विशाल भंडारा, हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। बड़े मंगल के पावन अवसर पर तेजवापुर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रमाकर पांडेय के नेतृत्व में रमपुरवा स्थित आरा मशीन परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया और बजरंगबली का आशीर्वाद प्राप्त किया।भंडारे का शुभारंभ सुरेश्वर सिंह, अखंड प्रताप सिंह तथा रमाकर पांडेय ने भगवान हनुमान की विधिवत पूजा–अर्चना कर किया। इसके बाद अतिथियों ने स्वयं श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित कर सेवा भाव का परिचय दिया।इस अवसर पर दिवाकर पांडेय, संतराम पांडेय, प्रकाश चंद्र द्विवेदी, शशिकांत त्रिपाठी, विद्याधर वाजपेई, संजय त्रिपाठी, रिंकू मिश्रा, राम छबीले यादव, पंकज सिंह, वागीश शुक्ला, केसरी नंदन गौड़, राजेश शुक्ला समेत बड़ी संख्या में क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान महसी विधायक सुरेश्वर सिंह ने सुखदराज सिंह हाईवेज ढाबा तथा मानपुरवा स्थित महाकाल यूज सेंटर पर आयोजित प्रसाद वितरण कार्यक्रम में भी सहभागिता की और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया।बड़े मंगल के अवसर पर आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों से पूरे क्षेत्र में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं ने बजरंगबली के जयकारों के बीच प्रसाद ग्रहण कर सुख–समृद्धि की कामना की।

पीएम स्वनिधि योजना के तहत जून माह में विशेष अभियान चलेगा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना की पहुंच को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से 1 जून से 30 जून तक जनपद सिद्धार्थनगर में एक माह का विशेष अभियान संचालित किया जाएगा। परियोजना अधिकारी डूडा ने बताया कि अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक फुटपाथ विक्रेताओं को योजना से जोड़कर उन्हें विभिन्न सुविधाओं का लाभ प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान को तीन स्तरों पर संचालित किया जाएगा। जनपद स्तर पर स्वनिधि महोत्सव का आयोजन होगा, जहां स्ट्रीट वेंडर्स एवं उनके परिवारों की सफलता की कहानियों और उपलब्धियों का उत्सव मनाने के साथ–साथ योजना के प्रति जागरूकता बढ़ाई जाएगी। नगर निकाय स्तर पर लोक कल्याण मेलों का आयोजन किया जाएगा, जहां ऋण एवं क्रेडिट कार्ड सुविधा, डिजिटल सशक्तिकरण, विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने, बैंकर्स और स्ट्रीट वेंडर्स की बैठकें आयोजित करने सहित आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। वहीं सेंसेस टाउन स्तर पर स्वनिधि कैंप लगाए जाएंगे, जिनमें स्ट्रीट वेंडर्स की पहचान कर उन्हें योजना से जोड़ने और लाभान्वित करने की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाएगी। अभियान का मुख्य उद्देश्य पीएम स्वनिधि योजना की उपलब्धियों और सफलता की कहानियों को सामने लाना, बैंकों, जनपद प्रशासन एवं मुख्य डिजिटल पार्टनर्स सहित सभी हितधारकों के साथ समन्वय को मजबूत करना, डिजिटल समावेशन और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देना तथा योजना की पहुंच का विस्तार करना है। विशेष अभियान के दौरान लंबित ऋणों का वितरण, स्ट्रीट वेंडर्स को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना, नए ऋण आवेदनों को प्रोत्साहित करना तथा स्वनिधि से समृद्धि योजना के अंतर्गत छूटे हुए वेंडर्स एवं उनके परिवारों की प्रोफाइलिंग कर उन्हें विभिन्न योजनाओं से लिंक करने का कार्य भी किया जाएगा। इसके अलावा द्वितीय ऋण पूरा कर चुके वेंडर्स के लिए क्रेडिट कार्ड आवेदन कराए जाएंगे तथा कार्ड प्राप्त लाभार्थियों को उसके उपयोग का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। अपर जिलाधिकारी ने नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायतों के लिए संबंधित अधिशासी अधिकारियों तथा सेंसेस टाउन हल्लौर के लिए खंड विकास अधिकारी डुमरियागंज को इस विशेष अभियान का नोडल अधिकारी नामित किया है। परियोजना अधिकारी ने अपील करते हुए कहा कि ऐसे सभी फुटपाथ विक्रेता, जो अभी तक पीएम स्वनिधि योजना के लाभ से वंचित हैं, वे 30 जून तक आयोजित विशेष अभियान के दौरान अपने संबंधित नगर निकाय अथवा चयनित सेंसेस टाउन में पहुंचकर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

छापेमारी की भनक लगते ही बंद हुई कई मेडिकल स्टोर

शोहरतगढ़, बढ़नी और चिल्हिया में कार्रवाई की आशंका से दुकानों पर लटके ताले

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। औषधि विभाग की संभावित छापेमारी की सूचना मिलते ही मंगलवार को शोहरतगढ़, बढ़नी और चिल्हिया क्षेत्र की कई मेडिकल स्टोरों के शटर अचानक गिर गए। दवा विक्रेताओं द्वारा दुकानें बंद किए जाने से मरीजों और उनके तीमारदारों को आवश्यक दवाएं प्राप्त करने के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार मंगलवार को करीब 11 बजे कुछ दवा विक्रेताओं को सूचना मिली कि औषधि निरीक्षक तथा बाहरी टीम संयुक्त रूप से क्षेत्र में दवा दुकानों की जांच और छापेमारी के लिए निकली है। सूचना फैलते ही शोहरतगढ़ कस्बे सहित आसपास के क्षेत्रों की दर्जनों दवा दुकानें बंद हो गईं। कई दुकानदार दुकान में ताला लगाकर मौके से चले गए। अचानक मेडिकल स्टोर बंद होने से इलाज कराने आए मरीजों और उनके परिजनों को दवाओं के लिए इधर–उधर भटकना पड़ा। लोगों ने कहा कि बिना पूर्व सूचना के दुकानों के बंद हो जाने से आमजन को परेशानी उठानी पड़ी। सूत्रों के अनुसार औषधि विभाग को शिकायत मिली थी कि कुछ दवा विक्रेता बिना चिकित्सकीय पर्चे के कफ सिरप और अन्य प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री कर रहे हैं। साथ ही बिना बिल दवाओं की खरीद–फरोख्त और सीमावर्ती क्षेत्रों में प्रतिबंधित दवाओं की आपूर्ति किए जाने की भी सूचनाएं विभाग को प्राप्त हुई थीं। गौरतलब है कि नेशनल मेडिकल कमीशन एवं संबंधित नियमों के अनुसार कुछ श्रेणी की दवाओं, विशेषकर कफ सिरप और नियंत्रित दवाओं की बिक्री चिकित्सक के वैध पर्चे पर ही की जा सकती है। नियमों के उल्लंघन पर संबंधित दवा विक्रेताओं के विरुद्ध कार्रवाई का प्रावधान है। सूत्रों का यह भी कहना है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में कुछ थोक दवा विक्रेताओं द्वारा छोटे मेडिकल स्टोर संचालकों को प्रतिबंधित दवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं, जिनकी तस्करी नेपाल तक किए जाने की आशंका रहती है। हाल ही में ककरहवा सीमा पर एसएसबी द्वारा प्रतिबंधित दवाओं की खेप पकड़े जाने के बाद विभाग की सक्रियता बढ़ी है। हालांकि समाचार लिखे जाने तक औषधि विभाग की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था। औषधि निरीक्षक आलोक कुमार त्रिवेदी से संपर्क का प्रयास किया गया, लेकिन उनका पक्ष प्राप्त नहीं हो सका।

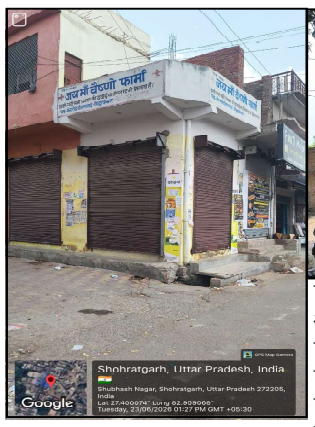

खुनुवा सीमा पर खाद तस्करी का प्रयास विफल, यूरिया–डीएपी समेत युवक गिरतार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर ।भारत–नेपाल सीमा पर तस्करी रोकने के अभियान के तहत 43वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवानों ने खुनुवा सीमा चौकी क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए खाद की तस्करी का प्रयास विफल कर दिया। जवानों ने दो बोरी यूरिया, दो बोरी डीएपी खाद, एक मोटरसाइकिल तथा एक व्यक्ति को पकड़कर कस्टम विभाग के सुपुर्द कर दिया। एसएसबी के अनुसार मंगलवार को विशेष सूचना के आधार पर सीमा स्तंभ संख्या 554/1 के निकट करहिया गांव क्षेत्र में विशेष गश्त लगाई गई थी। इसी दौरान एक व्यक्ति मोटरसाइकिल पर खाद लादकर भारत की ओर से सीमा की तरफ जाता दिखाई दिया। गश्ती दल को देखकर वह घबरा गया और मोटरसाइकिल व सामान छोड़कर भागने का प्रयास करने लगा। जवानों ने तत्परता दिखाते हुए उसका पीछा कर पकड़ लिया। पूछताछ में पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम सूरज पुत्र श्रीराम, निवासी ग्राम गुजरौलिया, पोस्ट चेतरा, थाना शोहरतगढ़, जनपद सिद्धार्थनगर बताया। तलाशी के दौरान मौके से दो बोरी यूरिया खाद (प्रत्येक 45 किलोग्राम, कुल 90 किलोग्राम), दो बोरी डीएपी खाद (प्रत्येक 50 किलोग्राम, कुल 100 किलोग्राम) तथा एक होंडा ड्रीम मोटरसाइकिल (नंबर **UP55 N 7536**) बरामद की गई ।एसएसबी ने जब्त खाद, मोटरसाइकिल और पकड़े गए व्यक्ति को अग्रिम कार्रवाई के लिए कस्टम विभाग खुनुवा के सुपुर्द कर दिया है। एसएसबी अधिकारियों ने बताया कि भारत–नेपाल सीमा पर तस्करी और अन्य अवैध गतिविधियों की रोकथाम के लिए लगातार विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। इसके तहत खाद, मादक पदार्थ, अवैध मुद्रा, मानव तस्करी तथा वन्यजीव उत्पादों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए निगरानी बढ़ाई गई है। सीमा पर संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

ककरहवा सीमा पर 40 किलो तंबाकू के साथ युवक गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर ।भारत–नेपाल सीमा पर तस्करी रोकने के अभियान के तहत 43वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की सीमा चौकी ककरहवा के जवानों ने कार्रवाई करते हुए 40 किलोग्राम तंबाकू और एक मोटरसाइकिल के साथ एक व्यक्ति को पकड़ लिया। जब्त सामान और आरोपी को आगे की कार्रवाई के लिए सीमा शुल्क (कस्टम) विभाग ककरहवा के सुपुर्द कर दिया गया ।एसएसबी से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार को खुफिया सूचना के आधार पर सीमा स्तंभ संख्या 545/1 के निकट गश्ती दल तैनात था। इसी दौरान एक व्यक्ति मोटरसाइकिल पर सामान लादकर भारत से नेपाल की ओर जाता दिखाई दिया। संदेह होने पर जवानों ने उसे रोककर सामान की जांच की। जांच में बोरी के भीतर तंबाकू (पत्ता) बरामद हुआ। जवानों ने व्यक्ति से तंबाकू से संबंधित वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा, लेकिन वह कोई कागजात नहीं दिखा सका। पूछताछ में उसने बताया कि वह यह सामान जहरुद्दीन किराना स्टोर से लेकर नेपाल के रुपन्देही जनपद स्थित मोगलहवा में बेचने के लिए जा रहा था। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान अब्दुल गनी पुत्र मोहम्मद सिद्दीकी (67 वर्ष) निवासी ग्राम कलवारी, थाना बर्डपुर नंबर–1, जनपद सिद्धार्थनगर के रूप में हुई। मौके पर तौल कराने पर बरामद तंबाकू का कुल वजन 40 किलोग्राम पाया गया। इसके अलावा हीरो होंडा स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल (संख्या न्च 55 ह 0176) भी जब्त की गई। एसएसबी ने जब्त तंबाकू, मोटरसाइकिल और आरोपी को आवश्यक कार्रवाई के लिए सीमा शुल्क विभाग ककरहवा के हवाले कर दिया। एसएसबी अधिकारियों ने बताया कि भारत–नेपाल सीमा पर तस्करी, मानव तस्करी, मादक पदार्थों, अवैध मुद्रा तथा वन्यजीव उत्पादों की तस्करी रोकने के लिए लगातार विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। सीमा पर संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जा रही है।

ज्येष्ठ माह के बड़े मंगलवार पर सुंदरकांड पाठ एवं विशाल भंडारे का आयोजन संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। ज्येष्ठ माह के पावन बड़े मंगलवार के अवसर पर डिडई चौराहे पर जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि उपेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ सुंदरकांड पाठ एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रीय नागरिकों ने सहभागिता कर प्रसाद ग्रहण किया तथा भगवान श्री हनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्त किया ।इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष दीपक मौर्य ने जिले के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की तथा भंडारे में सेवा भाव से योगदान कर प्रसाद ग्रहण किया कार्यक्रम में प्रमुख रूप से फतेह बहादुर सिंह, फूलचंद जायसवाल, दिलीप चतुर्वेदी, विपिन सिंह, अविनाश सिंह, रामनारायण, रमेश मणि त्रिपाठी, राघवेंद्र मिश्रा, राजेश दूबे, अनुराग श्रीवास्तव, सच्चिदानंद पांडेय एवं विक्की रस्तोगी सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अग्नि दुर्घटना में दिवंगत छात्रों को कैंडिल जलाकर दी गई श्रद्धांजलि

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी, सिद्धार्थनगर। लखनऊ में हुई भीषण अग्नि दुर्घटना में 15 छात्रों के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए नगर पंचायत बढ़नी के अध्यक्ष सुनील अग्रहरि ने नगरवासियों के साथ कैंडिल जलाकर दिवंगत आत्माओं को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की ।इस अवसर पर श्री अग्रहरि ने कहा कि यह घटना अत्यंत दुःखद एवं हृदय विदारक है। इतनी कम आयु में बच्चों का असमय निधन पूरे समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। इस दुःख की घड़ी में उनकी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं ।उन्होंने प्रभु श्रीराम से प्रार्थना करते हुए कहा कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिवारों को इस असीम दुःख को सहन करने की शक्ति दें। साथ ही दुर्घटना में घायल लोगों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ एवं पूर्ण स्वस्थ होने की कामना की ।कैंडिल श्रद्धांजलि कार्यक्रम में नगर के गणमान्य नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं युवाओं ने सहभागिता कर दिवंगत छात्रों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उपस्थित सभी लोगों ने इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया।

बांसी तहसील के कोडरी में एक पेड़ मां के नाम अभियान, बांसी विधायक बोले : वृक्षारोपण पुनीत धर्म

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी, सिद्धार्थनगर ।डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस 23 जून 2026 पर सामाजिक वानिकी वन प्रभाग द्वारा ग्राम पंचायत कोडरी के पंचायत भवन परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री व बांसी विधायक राजा जय प्रताप सिंह ने कहा कि वृक्षारोपण एक पुनीत धर्म है। खाली पड़ी जमीनों पर ष्एक पेड़ मां के नामष अवश्य लगाएं और उसकी सुरक्षा करें। तभी स्वच्छ पर्यावरण व सुखमय जीवन संभव है। उन्होंने डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रीय एकता व अखंडता के लिए दिए बलिदान को नमन किया ।अध्यक्षता कर रही डीएफओ सिद्धार्थनगर नीला एम. ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए हर व्यक्ति को पौधरोपण करना चाहिए। छोटे–बड़े सभी पेड़ों की सुरक्षा जरूरी है ।कार्यक्रम को पूर्व प्राचार्य प्रो. केपी त्रिपाठी ने भी संबोधित किया। अतिथियों का स्वागत क्षेत्रीय वन अधिकारी शिवकुमार गुप्ता ने किया। संचालन सिद्धार्थ शंकर ने किया। कार्यक्रम में वन विभाग का स्टाफ व बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

तालाब में डूबने से किशोर की मौत, गांव में मातम

सिद्धार्थनगर। इटवा थाना क्षेत्र के ग्राम दुफेडिया में मंगलवार दोपहर तालाब में डूबने से 17 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। मृतक ताबिश पुत्र जमाल गर्मी से राहत पाने के लिए तालाब में नहाने गया था, जहां वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया ।बच्चों के शोर मचाने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तलाश शुरू की। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद जाल की मदद से ताबिश का शव तालाब से बाहर निकाला गया। बताया जाता है कि उसे तैरना नहीं आता था ।सूचना पर पहुंची इटवा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष संजय मिश्रा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। घटना के बाद परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

मझवन खुर्द,जिगनिहवां–में जलभराव, बीमारी का खतरा, ग्रामीणों एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

मिश्रौलिया/सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड बांसी की ग्राम सभा मझवन खुर्द व जिगनिहवां चौराहे पर जल निकासी न होने से लोगों का जीना मुहाल हो गया है। कई दिनों से सड़क पर भरे पानी से दुकान व मकानों में पानी घुस रहा है। ग्रामीणों शैलेंद्र कुमार, सुरेश यादव, मुबारक हुसैन, जिला पंचायत भावी प्रत्याशी अतुल उपाध्याय, मोनू जैसवाल आदि ने सोमवार 23 जून 2026 को उपजिलाधिकारी बांसी को ज्ञापन सौंपकर तुरंत जल निकासी की मांग की। ज्ञापन में ग्रामीणों ने कहा कि जलभराव से संक्रामक बीमारी व महामारी फैलने का खतरा पैदा हो गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि खण्ड विकास अधिकारी को कई बार लिखित व मौखिक शिकायत की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने राजस्व व पंचायत विभाग से मिलकर तुरंत नाली/नाला साफ कराने की मांग की है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर हुआ वृक्षारोपण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। वृक्षारोपण एक पुनीत धर्म है, हम सभी को खाली पड़ी जमीनों पर एक वृक्ष मां के नाम अवश्य रोपित कर उसकी सुरक्षा करनी चाहिए, तभी स्वच्छ पर्यावरण व सुखमय जीवन होगा। उक्त विचार सामाजिक वानिकी वन प्रभाग सिद्धार्थनगर के बांसी रेंज अंतर्गत ग्राम पंचायत कोडरी के पंचायत भवन परिसर में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के अवसर पर आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री व बांसी विधायक जय प्रताप सिंह ने व्यक्त किए। उन्होंने अपने संबोधन में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्रीय एकता और अखंडता में उनके द्वारा किए गए अदम्य साहस एवं बलिदान को नमन किया। अध्यक्षीय संबोधन में डीएफओ सिद्धार्थनगर नीला एम. ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर ष्एक पेड़ मां के नामष के तहत पौधरोपण किया जा रहा है, जो पर्यावरण हित में एक अच्छा कार्य है। उन्होंने कहा कि सभी लोगों को पौधरोपण करना चाहिए तथा छोटे–बड़े सभी पेड़–पौधों की सुरक्षा करनी चाहिए। कार्यक्रम को पूर्व प्राचार्य प्रो. केपी त्रिपाठी समेत तमाम लोगों ने संबोधित किया। अतिथियों का स्वागत व धन्यवाद ज्ञापन शिवकुमार गुप्ता, क्षेत्रीय वन अधिकारी बांसी ने किया तथा कार्यक्रम का संचालन एवं सहयोग सिद्धार्थ शंकर ने किया। उक्त अवसर पर अतिथियों ने पौधरोपण कर स्वच्छ पर्यावरण के प्रति समर्पण का संदेश दिया। कार्यक्रम में वन विभाग के समस्त स्टाफ व क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री कैशलैस चिकित्सा योजना को लेकर यूटा व पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ ने सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन (यूटा) एवं पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ ने संयुक्त रूप से जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के माध्यम से सचिव, बेसिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश को ज्ञापन प्रेषित कर बेसिक शिक्षा विभाग के शिक्षणेत्तर कर्मचारियों (लिपिक एवं चतुर्थ श्रेणी) को भी मुख्यमंत्री कैशलैस चिकित्सा योजना का लाभ प्रदान किए जाने की मांग की ।ज्ञापन में कहा गया कि विभाग के शिक्षणेत्तर कर्मचारी अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए शैक्षिक एवं प्रशासनिक कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। साथ ही वे अपने परिवारों की जिम्मेदारियों का भी वहन करते हैं। ऐसे में उन्हें भी मुख्यमंत्री कैशलैस चिकित्सा योजना के दायरे में शामिल किया जाना आवश्यक है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उन्हें और उनके परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके ।ज्ञापन सौंपने के दौरान यूटा के मंडल अध्यक्ष बस्ती हरिमोहन सिंह श्रीनेत, पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रतिनिधि अभय प्रताप सिंह, जिला महामंत्री अवधेश सिंह, यूटा के जिला महामंत्री प्रकाश नाथ त्रिपाठी तथा यूटा सिद्धार्थनगर के जिलाध्यक्ष अभय कुमार पांडेय उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

जो इस बात से पता चलता है कि पिछले तीन दशकों में नौ हजार से अधिक मौसमी आपदाओं ने पूरी दुनिया में आठ लाख से अधिक लोगों को असमय काल का ग्रास बनाया है। लेकिन इस संकट की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि इसकी सबसे बड़ी कीमत वे विकासशील व गरीब देश चुका रहे हैं, जिनकी वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में सबसे कम भूमिका रही है। दुर्भाग्य से विकासशील देश जहां ...

सरकारी प्रयासों व जागरूकता में लाएं तेजी

ब्राजील के बेलेम में संपन्न कॉप–30 सम्मेलन में जारी 'जलवायु जोखिम सूचकांक–2026' रिपोर्ट में उल्लेखित आंकड़े भारत से जुड़ी जलवायु संकट की भयावह तस्वीर दिखाते हैं। रिपोर्ट बताती है कि भारत दुनिया में जलवायु आपदाओं से सबसे ज्यादा प्रभावित पहले दस देशों में शामिल हैं। यह डराने वाली रिपोर्ट बताती है कि पिछले तीन दशक में भारत में आई जलवायु संकट से जुड़ी आपदाओं में करीब अस्सी हजार लोगों को मौत का ग्रास बनना पड़ा। इतना ही नहीं करीब 170 अरब अमेरिकी डॉलर का नुकसान भी देश को उठाना पड़ा है। ये आंकड़े जलवायु संकट के देश पर पड़ने वाले घातक प्रभावों की तस्वीर उकेरते हैं। जो बताते हैं कि इस संकट से उबरने के प्रयासों में और तेजी लाने की जरूरत है। निश्चित तौर पर इस दिशा में यदि युद्ध स्तरीय प्रयास तेज नहीं किए जाते तो भविष्य में परिणाम और घातक हो सकते हैं। ये प्रयास केवल सरकारी स्तर पर ही नहीं, सामाजिक स्तर पर भी तेज करने की जरूरत है। जागरूकता अभियानों में भी तेजी लाने की जरूरत है। इस संकट ने फसलों पर पड़ने वाले व्यापक प्रभाव से हमारी खाद्य शृंखला पर भी संकट मंडरा सकता है। हमें 140 करोड़ से अधिक आबादी वाले देश का पेट भरने के लिये इस दिशा में शोध–अनुसंधान के साथ व्यापक किसान जागरूकता कार्यक्रम भी चलाने की जरूरत है। दरअसल, जलवायु संकट के चलते देश में जो ज्यादा नुकसान हुआ है, उसके पीछे लगातार आ रहे चक्रवात, कुछ इलाकों में सूखे और बाढ़ की लगातार पैदा होती स्थितियां हैं। जाहिर इसके मूल में तेजी से बढ़ता वातावरण का तापमान ही है। जिसका मुख्य कारक ग्लोबल वार्मिंग ही है। निश्चित रूप से भारत में जलवायु संकट की स्थिति लगातार विकट होती जा रही है। निर्विवाद रूप से देश के सामने पैदा मौसमी आपदाओं से हमारे विकास में भी बाधा उत्पन्न हो रही है। जो जीविका संकट भी पैदा कर रहा है। दरअसल, बेलेम में संपन्न कॉप–30 सम्मेलन में जारी की गई 'जलवायु जोखिम सूचकांक–2026' रिपोर्ट उन संकटपूर्ण स्थितियों का भी खुलासा करती है जो जलवायु संकट के कारण पैदा हो रहे हैं। रिपोर्ट बताती है कि पिछले वर्ष भारी बारिश व विनाशक रूप में आई बाढ़ से देश में करीब अस्सी लाख लोग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। इसमें दो राय नहीं कि भारत सरकार ने जलवायु संकट से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी के समक्ष अपनी प्रतिबद्धता बार–बार जतायी है। इस संकट से उबरने के लिये नवीकरणीय ऊर्जा के विकल्प को युद्ध स्तर पर आगे बढ़ाने का प्रयास भी किया है। देश में कार्बन उत्सर्जन को कम करने में नवीकरणीय ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। देश वनों का दायरा को भी बढ़ाने की जरूरत है। विकास देश की प्राथमिकता है, लेकिन यह विकास वनों के विनाश की कीमत पर नहीं होना चाहिए। साथ ही इस दिशा में जो भी कदम उठाये जाएं उनका प्रभाव जमीनी स्तर पर कितना हो रहा है, इस बात का लगातार मूल्यांकन भी जरूरी है। साथ ही रीति–नीतियों को प्रभावी तरीकों से अमलीजामा पहनाने की जरूरत होगी। जिसके लिये लोकतंत्र की सबसे छोटी इकाइयों ग्राम पंचायत से लेकर शहरी निकायों को भी शामिल करने की जरूरत होगी। दरअसल, जलवायु परिवर्तन से उपजा संकट केवल भारत की ही चुनौती नहीं है। यह एक वैश्विक संकट है। जो इस बात से पता चलता है कि पिछले तीन दशकों में नौ हजार से अधिक मौसमी आपदाओं ने पूरी दुनिया में आठ लाख से अधिक लोगों को असमय काल का ग्रास बनाया है। लेकिन इस संकट की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि इसकी सबसे बड़ी कीमत वे विकासशील व गरीब देश चुका रहे हैं, जिनकी वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में सबसे कम भूमिका रही है। दुर्भाग्य से विकासशील देश जहां इन संकटों की दृष्टि से जहां ज्यादा संवेनशील हैं, वहीं इससे मुकाबले के लिये उनके संसाधन सीमित हैं। उनके प्रतिरोध की क्षमता सीमित है। जिन्हें तत्काल व्यापक वित्तीय सहायता की जरूरत है। ऐसे में विकसित देशों का नैतिक दायित्व बनता है कि उनका सहयोग सिर्फ विकासशील देशों को वित्तीय व तकनीकी सहयोग तक सीमित न रहे। साथ ही वे अपने कार्बन उत्सर्जन में भी कमी लाएं।

छोरियां भी किसी से कम नहीं पाकिस्तान की

पाक फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने अपनी ड्रेस ट्रंप को गिफ्ट करके कहा कि इस ड्रेस को पहनकर झूठ बोलने का गजब कॉन्फिडेंस आ जाता है। ईरान से आपकी एक भी बात भले ही न मानी जाए। आप फुल हिम्मत से फील्ड मार्शल स्टाइल में कहना कि हम जीत गये हैं। दंगल फिल्म के आमिर खान अपना ही डायलॉग सुनकर चकित हो गये। भारत से बुरी तरह हारी पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम की कप्तान ने मुल्क के कप्तान जनरल आसिम मुनीर से कहा कि हमारी छोरियां कौन–सी कम हैं, छोरों और आर्मी से, हारने के मामले में। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तरफ से कोई हैंडशेक नहीं किया गया पाक टीम को। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि हैंडशेक क्या करें, पूरी पाकिस्तान की टीम को ही शेक कर देंगे, हिला देंगे, पटक देंगे। पाक फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने अपनी ड्रेस ट्रंप को गिफ्ट करके कहा कि इस ड्रेस को पहनकर झूठ बोलने का गजब कॉन्फिडेंस आ जाता है। ईरान से आपकी एक भी बात भले ही न मानी जाए। आप फुल हिम्मत से फील्ड मार्शल स्टाइल में कहना कि हम जीत गये हैं। हाय! यह कैसे हो गया, पॉलिटिक्स में यह मोमेंट कभी–कभी आ जाता है। जिस पार्टी को कल तक कोई नहीं जानता था एनसीपीआई, उसके कई सांसद हो सकते हैं। पहले ये ममता बनर्जी के थे। मतलब कुछ यूं कि एक्स्ट्रा के रोल को तरस रहे किसी एक्टर को कहा जाये कि धुरंधर थ्री के हीरो आप हैं। उधर पॉलिटिक्स के पुराने धुरंधर एकदम एक्स्ट्रा के माफिक धक्के खा रहे हैं। पॉलिटिक्स में एक्स्ट्रा और हीरो के बीच सिर्फ एक चुनाव का फर्क होता है। कोलकाता में अभिषेक बनर्जी ईडी के दफ्तर से निकलते हैं तो सीआईडी के दफ्तर में पहुंचते हैं। सीआईडी से निकलते हैं, तो ईडी का बुलावा आ जाता है। मिर्जा गालिब बोले, शे'र सुनो मेरा नहीं, सीमाब अकबराबादी का मानो–

उम्र ए दराज मांग के लाई थी चार दिन,
दो सीआईडी में कट गये, दो ईडी के यहां।

उद्धव ठाकरे की शिवसेना के बड़े नेता संजय राऊत हरमुनिया बाजा भी बजाते हैं। एक वक्त था उनकी पार्टी के केंद्र में मंत्री होते थे, राज्य में मंत्री होते थे, अब उनके एमपी और एमएलए भी मुश्किल से बच रहे हैं। उनकी पार्टी का पुराना टाइगर अब संकट में है। अब खाली वक्त में कलाकार संजय राऊत हरनुमिया बाजे पर, उनका टाइगर डांस से कला प्रदर्शन करे, ऐसी उम्मीद की जा सकती है। उधर ममता बनर्जी के भतीजे अपनी बुआ से कह रहे हैं, सिर्फ भतीजे के सिर पर ठीकरा मत फोड़ो। नॉन भतीजों का रोल भी खास रहा है।

जानलेवा बनते पहाड़ों से बरसते शिलाखंड-पत्थर

दरार खण्डित भूखण्डों का टूटना तेज हो जाता है। परिणामस्वरूप भूस्खलन व मलबा बिखराव पुनः प्रारंभ हो जाता है। अतः लगातार बने भूस्खलन जोखिमों के क्षेत्र में, वैज्ञानिकों की राय लेकर बरसाती जल की उचित ड्रेनेज व्यवस्था बनाना जरूरी है। भूस्खलन रोकथाम पर लगभग तीन सौ करोड़ रुपयों के खर्चे के बाद भी जिला मुख्यालय उत्तरकाशी में शहर के बीचोंबीच स्थित वरुणाव्रत पहाड़ी से दो दशकों से भूस्खलन रह...

ढलानों पर पत्थर, मलबा आदि कई बार केवल झाड़ियों या पेड़ों के कारण टिके रहते हैं जिन्होंने उनके लुढ़कने की राहों पर अंकुश लगा दिया होता है। किन्तु जब जंगलों की आग इन झाड़ियों, पेड़ों को जला देती है तो इनके सहारे रुके शिलाओं, मलबे का एकाएक फिर से ढहना शुरू हो जाता है। आजकल उत्तराखंड व हिमाचल में कई जगहों पर बरसात हो न हो, अचानक शिलाखण्डों का गिरना, पत्थरों के मलबों की बौछारों का होना असामान्य नहीं है। जब ये किसी वाहन, व्यक्ति या घर पर गिर जाते हैं और जानमाल की क्षति हो जाती है तो खबर हो जाती है। अन्यथा खाली सड़क पर या निर्जन क्षेत्रों में हों तो ये आम भूस्खलन भर मान लिये जाते हैं। कभी देखते ही देखते विशालकाय पर्वत खण्डों का ऐसा ढहना होता है कि लगता है कि जैसे पूरा का पूरा पहाड़ ही जमीन पर आ जायेगा। हर साल पहाड़ों से गिरते पत्थर लोगों को ही नहीं, पशुधन को भी हताहत कर देते हैं। इस साल भी उत्तराखंड में जून माह में ही ऐसी कई घटनाओं में मौतें भी हुई हैं व वाहन भी दबे हैं। पहाड़ों में सड़कें जैसे–जैसे चौड़ी की जाने लगती हैं तो पहाड़ों को ज्यादा गहराई तक काटना होता है। पहाड़ों या शिलाओं को तोड़ने के लिए विस्फोटों का उपयोग भी आवश्यक हो जाता है। ऐसे में सड़कों पर आपदायें भी ज्यादा गहराने लगती हैं। जगह–जगह ऐसे लिखे बोर्ड लगे हैं कि सड़कों के इन हिस्सों में रुके रहना भी खतरनाक है। वाहन चालकों के लिए सलाह लिखी रहती हैकृरुकें, देखें, तब चलें।

चिंताजनक यह है कि कुछ क्षेत्रों में भूवैज्ञानिकों व अभियंताओं के सुझाये उपायों के क्रियान्वयन के बाद सालों साल से भूस्खलन रुकता ही नहीं है। यह हर मौसम में लगातार होता रहता है। यहां मार्ग बन्द होते, खुलते, फिर बंद होते रहते हैं। इनके पास मलबा हटाने वाली मशीनों व कर्मियों को नियमित तैनाती भी कर दी जाती है। सड़कों के खुलने पर भी पहाड़ी पर अटके जमा टनों मलबे से पत्थर भी गिरते रहते हैं। पैदल यात्री व वाहन जोखिमों के साये में ऊपर खिसकते मलबे पर टकटकी लगाये भूस्खलन क्षेत्रों को पार करते हैं। काम भर सड़क खोलने की जल्दी में मुख्यतः दो बातें होती हैं। ये दोनों बातें कभी भी पत्थरों की अचानक बौछारों के जोखिम भी बढ़ा देते हैं। एक है मशीनों से जैसे–तैसे पहाड़ों को गहराई तक काट वाहनों की आवाजाही के लिए राह देने के दबावों के बीच मलबा कटान व उत्खनन से अपेक्षाकृत स्थिर ढाल भी अस्थिर बन जाते हैं। पहाड़ों में भूस्खलनों को हटाने के लिए विस्फोट भी करना पड़ता है। लेकिन उन्हें स्थिर करने या रोक दीवार बनाने का आवश्यक काम उपेक्षित रह जाता है। जल्दी में यह हो भी नहीं सकता है। जिन दिनों भूस्खलन से कुछ राहत रहती है तब भी नहीं किया जाता है। इस कारण शुष्क दिनों में भी भूस्खलन होता रहता है। ऐसे में भारी बोल्डर्स भी जब–तब लुढ़कते रहते हैं। दूसरा है कि सड़क खोलने में ज्यादा देर न हो, इसलिये कुछ मलबा पहाड़ी में ही छूटा रहने दिया जाता है। यह भी किसी क्षेत्र को लगातार भूस्खलन जोन बना देता है। भूस्खलन का मलबा, जो पूरी तरह से नीचे न लाया गया या न आ पाया हो वह बरसातों में, मशीनी कम्पनों या भूकम्पकीय सक्रिय क्षेत्रों में छोटे भूकम्पों से भी पुनः ढहना शुरू कर सकता है। निरंतरता वाले भूस्खलन वाले क्षेत्रों से गिरने वाले अधिकांश पत्थर या शिलाखंड वे होते हैं जिन्हें बांधे रखने में मिट्टी व कंकर बजरी आदि की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बरसातों में पत्थरों को बांधे मिट्टी जब बहने लगती है तो पुनरू पत्थर, शिलाखण्डों की बौछारें शुरू हो जाती हैं। पहाड़ी जलागम वृक्षविहीन हो रहे हैं। इससे भी भूस्खलनों व भूक्षरण में कमी लाना मुश्किल हो जाता है। ढलानों पर पत्थर मलबा कई बार केवल झाड़ियों या पेड़ों के कारण टिके रहते हैं जिन्होंने उनके लुढ़कने के राहों पर अंकुश लगा दिया होता है। किन्तु जब जंगलों की आग इन झाड़ियों, पेड़ों को जला देती है तो इनके सहारे रुके शिलाओं, मलबे का एकाएक फिर से ढहना शुरू हो जाता है। गर्मियों के माह की वनाग्नियों के बाद की बरसातें मलबा ढहने को और तेज कर देती हैं। भूस्खलन आखिर गुरुत्वाकर्षण शक्ति के वशीभूत मलबा ढहना ही तो है। उन पहाड़ियों की दरारों में जिन पर मलबा टिका है, बरसाती पानी के घुसने से भी दरारों में फैलाव आ जाता है। दरार खण्डित भूखण्डों का टूटना तेज हो जाता है। परिणामस्वरूप भूस्खलन व मलबा बिखराव पुनः प्रारंभ हो जाता है। अतः लगातार बने भूस्खलन जोखिमों के क्षेत्र में, वैज्ञानिकों की राय लेकर बरसाती जल की उचित ड्रेनेज व्यवस्था बनाना जरूरी है। भूस्खलन रोकथाम पर लगभग तीन सौ करोड़ रुपयों के खर्चे के बाद भी जिला मुख्यालय उत्तरकाशी में शहर के बीचोंबीच स्थित वरुणाव्रत पहाड़ी से दो दशकों से भूस्खलन रह–रहकर हो ही जाते हैं। पहली बार सितम्बर, 2003 को इस पहाड़ी से बड़ा भूस्खलन हुआ था।

{ जैसे–जैसे बाजारवाद का सिद्धांत हावी हो रहा है, शिक्षा सिर्फ ऐसी नौकरियों के लिए प्रशिक्षण बनकर रह गई है जो टेक्नो–कश्चर्पोरेट मशीन की आर्थिक उत्पादकता बढ़ाती हैं। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है कि हम लिबरल आर्ट्स और ह्यूमैनिटीज द्धमानविकीश्र विषयों की निरंतर गिरती अहमियत देख रहे हैंय हमने लगभग यह मान लिया है कि देश को अच्छे इतिहासकारों, मानव–विज्ञानियों... }

कॉकरोची सवाल व शिक्षा के असली संकट

यह समझने के लिए किसी को समाज विज्ञानी होने की जरूरत नहीं है कि ग्रामीण सरकारी स्कूल के किसी गरीब या निम्न–मध्यम वर्गीय लड़के के मुकाबले, किसी अमीर और ऊंचे रसूख वाले परिवार का बेटाकृजो किसी ब्रांडेड कोचिंग सेंटर से खास ट्रेनिंग का खर्च उठा सकता हैकृवह मुकाबला पहले ही जीत चुका होता है।

एक काल्पनिक स्थिति के बारे में सोचिए। सत्ताधारी सरकारकृजो लोगों की बात सुनने की कला के लिए विशेष तौर पर नहीं जानी जातीकृउसने 'कॉकरोच जनता पार्टी' की मांगों को गंभीरता से लिया है। कल्पना कीजिए कि संबंधित केंद्रीय मंत्री ने अपनी अंतरात्मा की आवाज फिर पा ली और उन्होंने इस्तीफा दे डाला। कल्पना कीजिए कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (केंद्रीय परीक्षा एजेंसी) के अधिकारी ईमानदारी और निष्ठा से काम करने लगे हैं। कल्पना कीजिए कि बारम्बार की पेपर लीक घटनाएं अतीत की बात हो गई हैं और नीट जैसी मानकीकृत कर दी गईं परीक्षाएं सुचारु रूप से आयोजित हो रही हैं। क्या यह आवश्यक तौर पर संकेत है कि ऐसी काल्पनिक परिस्थिति में शिक्षा के मुख्य चलन के साथ सब चीजें ठीक हो जाएंगी? इसका साफ जवाब है 'नहीं'। असल में, हमें यह समझने के लिए गहराई में जाने की जरूरत है कि शिक्षा की मौजूदा संस्कृति में जो बीमारी व्याप्त है, वह सिर्फ पेपर लीक होने या संबंधित अधिकारियों की गैर–जिम्मेदाराना हरकत तक सीमित नहीं है।

सर्वप्रथम, अब समय आ गया है कि हममें से कुछ लोग खुलकर कहें कि नीट, जेईई या सीयूईटी जैसी एमक्यूएम–आधारित मानकीकृत परीक्षाओं का सिद्धांत ही सबसे अधिक समस्या है। असल में, मुझे यह कहने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि इन मानकीकृत परीक्षाओं की तैयारी करने की प्रक्रिया ही दिमाग को एक खास सांचे में ढाल देती है, सोचने–समझने के दायरे को सीमित कर देती है और आलोचनात्मक सोच एवं रचनात्मक कल्पनाशीलता की क्षमता को कुंद कर देती है। अगर आप ध्यान से देखें तो, भौतिकी का छात्र अपने स्कूल की भौतिकी प्रयोगशाला में इसलिए जाने से कतराता है क्योंकि उसे कोचिंग सेंटर के 'रणनीतिकार' से पढ़ना और ओएमआर शीट पर जितनी जल्दी हो सके 'सही' जवाब पर टिक लगाने की तकनीक सीखना ज़्यादा भाता है। जब शिक्षा केवल मानकीकृत परीक्षाओं का प्रशिक्षण बनकर रह जाए तो विद्यालयकृजो कि गहन सीखने–सिखाने की जगह होते हैंकृधीरे–धीरे अप्रासंगिक हो जाते हैं। वे सभी चीजें जो स्कूली शिक्षा को जीवंत और आनंदमय बना सकती थींकृजैसे कि भौतिकी और जीव–विज्ञान प्रयोगशाला में विज्ञान के प्रयोगों से पैदा होने वाली जिज्ञासाय स्कूल लाइब्रेरी में नई किताबें पढ़ने और उन्हें छूने का बेपनाह आनंदय कक्षा में होने वाली गहन चर्चा और बहसय और खेल, संगीत व थिएटर का रोमांचकृसब अप्रासंगिक हो जाते हैं। इसके बजाय, जो बचता है वह है 'डमी स्कूलों' की कठोर सच्चाई, कोचिंग सेंटरों का दबाव और शारीरिक रूप से थके हुए एवं मानसिक रूप से आहत किशोरों की बेचैनी, जिन्हें फुटबॉल खेलने, कोई अच्छा उपन्यास पढ़ने या लंबी सैर पर जाने के लिए शायद ही कोई 'फालतू' समय मिल पाता है। इसके अलावा, बार–बार होने वाली अभ्यास परीक्षाएं, जिनसे कोचिंग 'गुरु' लगातार छात्रों की 'गति' और 'कौशल' मापते हैं, उनके बचपन के सुनहरे सालों को बर्बाद कर देते हैं। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है कि वे अपने माता–पिता के सामने अपनी 'काबिलियत' साबित करने की कभी न खत्म होने वाली चिंता में जीते हैं, मां–बाप के लिए बच्चों के लिए 'सफलता' ही उनकी इज्जत का मोल बन जाती है। असल में, कोई भी समझदार शिक्षक और शिक्षाविद् यही कहेगा कि प्रशिक्षण का यह तरीका एक ऐसी मशीनी और बंधी–बंधाई सोच वाली मानसिकता बनाता है जो बच्चों में अस्पष्टताओं, जटिलताओं और बारीक बातों को समझने या उनके साथ जीने में पूरी तरह नाकाम कर देती है। सिर्फ इतना ही नहीं, इस बेचैन पीढ़ी को कई तरह की मानसिक स्वास्थ्य समस्याएंकृजैसे कि अवसाद, अकेलापन और आत्महत्या के ख्यालोंकृका सामना करना पड़ रहा। इस बीच, भारत का 'स्याह' शिक्षा तंत्रकृयानी कोचिंग फैक्टरियांकृचोखा धंधा कर रहे हैं। दूसरी बात, भले ही सब कुछ विवादों से मुक्त लगे, लेकिन सच तो यह है कि नीट या जेईई जैसी मानकीकृत परीक्षाएं कभी भी निष्पक्ष नहीं होतीं। वर्गों और जातियों में बंटे हमारे जैसे समाज में, जहां सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक समृद्धि के आधार पर तमाम किस्म की असमानताएं मौजूद हैं, कोई भी मुकाबला निष्पक्ष नहीं हो सकता। यह समझने के लिए किसी को समाज विज्ञानी होने की जरूरत नहीं है कि ग्रामीण सरकारी स्कूल के किसी गरीब या निम्न–मध्यम वर्गीय लड़के के मुकाबले, किसी अमीर और ऊंचे रसूख वाले परिवार का बेटाकृजो किसी ब्रांडेड कोचिंग सेंटर से खास ट्रेनिंग का खर्च उठा सकता हैकृवह मुकाबला पहले ही जीत चुका होता है। भले ही कभी–कभार आप और मैं किसी टैक्सी ड्राइवर के बेटे या गरीब किसान की बेटी के नीट या जेईई जैसे अहम इम्तिहान पास करने की असाधारण कहानी अपवादवश सुनते हों, लेकिन कड़वा सच यह है कि ये सभी इम्तिहान निष्पक्ष होने के बजाय, समाज में पहले से मौजूद सामाजिक और आर्थिक असमानता को ही बढ़ावा देते हैं। इसलिए मान लेना चाहिएरू एक निष्पक्ष मुकाबले का विचार महज भ्रम है, और इसलिए, मेरिटोक्रेसी (योग्यता–आधारित व्यवस्था) के तर्क वाली इस व्यवस्था को सही ठहराने का कोई कारण नहीं बनता। और आखिर में, इस पूरी बीमारी को तब तक ठीक से नहीं समझा जा सकता जब तक हम यह न देखें कि कैसे नव–उदारवाद की 'मशीनी' सोच ने शिक्षा की लोकतांत्रिक और आजाद बनाने वाली क्षमता को खत्म कर डाला है।

ऋषभ पंत की घर वापसी का बड़ा सौदा, 12 करोड़ की सैलरी कटौती पर दिल्ली कैपिटल्स लौटे

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कप्तान के तौर पर दो खराब सत्र के बाद ऋषभ पंत की वेतन में 12 करोड़ रुपये की भारी कटौती के साथ दिल्ली कैपिटल्स की टीम में वापसी हो रही है। दिल्ली कैपिटल्स के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव के साथ हुई एक 'हाई–प्रोफाइल ट्रेड (बड़े खिलाड़ियों की अदला–बदली)' में पंत 15 करोड़ रुपये में अपनी पुरानी फ्रेंजाइजी में वापस आ गए हैं।

एलएसजी ने आईपीएल 2025 से पहले हुई बड़ी नीलामी में उन्हें 27 करोड़ रुपये की भारी–भरकम रकम में खरीदा था, जो लीग के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी रकम थी। लखनऊ सुपर जायंट्स के मालिक संजीव गोयनका ने उस समय पंत के साथ लंबे समय तक जुड़े रहने की बात कही

थी। लगातार दो कमजोर सत्र के बाद फ्रेंचाइजी प्रबंधन ने जस्टिन लैंगर और टॉम मूडी की मौजूदगी वाली ऑस्ट्रेलियाई कोचिंग टीम की सलाह पर पंत को रिलीज करने का फैसला किया।

उम्मीद के मुताबिक हुए इस ट्रेड में बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव 13.50 करोड़ रुपये की मौजूदा फीस पर दिल्ली कैपिटल्स से लखनऊ सुपर जायंट्स में चले गए। पंत के लिए यह ट्रेड घर वापसी जैसी है। उन्होंने 2016 से 2024 के बीच दिल्ली कैपिटल्स के लिए 111 मैच खेले थे। नीलामी में जाने से पहले तक वह इसी टीम का हिस्सा थे। वह 2021 से 2024 तक टीम के कप्तान भी रहे और इस दौरान 43 मैचों में दिल्ली का नेतृत्व किया।

लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ उनका प्रदर्शन कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों मोर्चों पर उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा। आईपीएल 2025 में टीम छह जीत और आठ हार के साथ अंक तालिका में सातवें स्थान पर रही। वहीं आईपीएल 2026 का प्रदर्शन और भी खराब रहा।

पंत की कप्तानी में लखनऊ की टीम 10 टीमों की लीग में सबसे निचले स्थान पर रही। टीम को 14 मैचों में सिर्फ चार जीत मिलीं और वह आठ अंकों के साथ तालिका में आखिरी स्थान पर रही। बल्लेबाजी में भी पंत संघर्ष करते नजर आए। 2025 सत्र में उन्होंने 14 मैचों में केवल 269 रन बनाए, जबकि 2026 में 312 रन जुटाए जिसमें सिर्फ एक अर्धशतक शामिल था। दूसरी ओर, कुलदीप यादव ने आईपीएल 2022 में कोलकाता नाइट राइडर्स से दिल्ली कैपिटल्स में आने के बाद 65 मैचों में 72 विकेट लिए थे। लेकिन आईपीएल 2026 उनके लिए भी साधारण रहा। कुलदीन ने इस सत्र में 14 मैचों में केवल 10 विकेट ही लिये और उनका इकॉनमी रेट 10.30 रन प्रति ओवर रहा।

विंबलडन चैंपियन मार्केटा वांद्रोसोवा पर 4 साल का बैन, डोपिंग टेस्ट से इनकार करना पड़ा भारी

विंबलडन की पूर्व चैंपियन

मार्केटा वांद्रोसोवा को सोमवार को डोपिंग रोधी परीक्षण से इनकार करने के कारण चार साल के लिए निलंबित कर दिया गया। चेक गणराज्य की इस खिलाड़ी ने कहा कि जब परीक्षण एजेंट ने बिना अपनी सही पहचान बताए देर रात उनके दरवाजे की घंटी बजाई तो उन्हें 'मानसिक तनाव' और डर महसूस हुआ। अंतरराष्ट्रीय टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी ने यह घोषणा करते हुए कहा कि वांद्रोसोवा ने दिसंबर में परीक्षण कराने से इनकार कर दिया था और यह फैसला एक स्वतंत्र पंचाट ने लिया है। वर्ष 2023 में विंबलडन जीतने वाली वांद्रोसोवा उसी साल करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग (नंबर छह) पर पहुंची थीं। छब्बीस वर्षीय वांद्रोसोवा ने अप्रैल में एक इंस्टाग्राम पोस्ट में परीक्षण नहीं करवा पाने पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। वांद्रोसोवा ने कहा था, ''मेरे लिए इस बारे में बात करना बहुत मुश्किल है लेकिन मैं अपनी मानसिक सेहत के बारे में आप लोगों के साथ खुलकर बात करना चाहती हूं।'' उन्होंने कहा, ''हाल ही में डोपिंग नियंत्रण वाली घटना इसलिए हुई क्योंकि महीनों के शारीरिक और मानसिक तनाव के बाद मैं बहुत अधिक परेशान हो गई थी।''

यानिक सिनर, इगा स्वियातेक और सिमोना हालेप के बाद वांद्रोसोवा डोपिंग मामले में शामिल होने वाली नवीनतम बड़ी टेनिस खिलाड़ी बन गई हैं। वांद्रोसोवा का प्रतिबंध 21 जून 2030 को खत्म होगा। वह इस फैसले के खिलाफ स्विट्जरलैंड स्थित खेल पंचाट में अपील कर सकती हैं।

कोच कानिटकर का मंत्र, तू अपना नेचुरल गेम खेल, वैभव सूर्यवंशी ने श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में मचाया धमाल

इंडिया के लिए अपने पहले चार मैचों में 117 रन बनाने के बावजूद, वैभव सूर्यवंशी की ट्राई–नेशन ।सीरीज की शुरुआत कुछ खास नहीं रही। हालांकि 150.6 का स्ट्राइक–रेट उनके आक्रामक खेल को दिखाता था, लेकिन 14, 44, 21 और 38 के स्कोर उनके खुद के तय किए गए स्टैंडर्ड के हिसाब से बहुत प्रभावशाली नहीं लगे। भारत–ए के कोच हृषिकेश कानिटकर ने श्रीलंका ए के खिलाफ फाइनल से पहले अपने पूर्व अंडर–19 खिलाड़ी से मुलाकात की और उन्हें सीधी सलाह दी। उन्होंने कहा कि तू अपना स्वाभाविक खेल खेल, ज्यादा मत सोचो।

यह सलाह काफी कारगर साबित हुई। 10 चौकों और 8 छक्कों की मदद से 324.13 के स्ट्राइक रेट से सूर्यवंशी ने श्रीलंकाई गेंदबाजी आक्रमण को

ध्वस्त करते हुए सिर्फ 29 गेंदों में 94 रन बनाए। इस पारी के साथ ही सूर्यवंशी ने सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।

सूर्यावंशी ने स्पोर्टस्टार को बताया कि जब रन नहीं बन रहे थे, तो मैंने ऋषी सर के साथ कुछ बातें कीं और उन्होंने मुझे खुलकर खेलने की छूट दी। उन्होंने आगे कहा कि तभी उन्होंने मुझसे कहा, श्तू अपना नेचुरल गेम खेल, ज्यादा सोच मतश। इससे मुझे हिम्मत मिली और मैंने खुद पर भरोसा बनाए रखा। मुझे खुशी है कि सब कुछ अच्छा रहा।

IPL में मिली कामयाबी के बावजूद, युवा सूर्यवंशी के लिए ट्राई–नेशन सीरीज एक बड़ा चौलेंज होने वाली थी। सूर्यवंशी न सिर्फ खराब गेंदों पर, बल्कि अच्छी गेंदों पर भी छक्के मारने में माहिर हैं। लेकिन हर गेंद को मैदान के बाहर भेजने की जल्दबाजी से बचते हुए, किसी गेंद को छोड़ने का संयम ही इस बाएं हाथ के बल्लेबाज की असली परीक्षा लेने वाला था। श्रीलंका की धीमी और स्पिन के लिए मददगार पिच और 50 ओवर की पारी की खास जरूरतों को देखते हुए उन्हें अपनी ग्व्स वाली रणनीति में बदलाव करना था।

उन्होंने कहा कि वहाँ के हालात थोड़े अलग थे, इसलिए शुरुआत में कुछ चुनौतियाँ आईं। मैं बहुत ज्यादा कोशिश कर रहा था, लेकिन अपनी योजनाओं को ठीक से लागू नहीं कर पा रहा था। रविवार को फाइनल में सूर्यवंशी की पारी इस बात का ताजा सबूत थी कि यह उभरता हुआ टैलेंट खेल को पारंपरिक तरीके से खेलने के बजाय, अपनी मर्जी से खेलकर अपना रास्ता बना रहा है।

नॉर्वे से हार के बाद सेनेगल कोच थियाव का ऐलान, हम अभी खत्म नहीं हुए हैं

नॉर्वे से हारने के बाद, सेनेगल के हेड कोच पापे बौना थियाव ने माना कि भले ही टीम अच्छी स्थिति में नहीं है, लेकिन ष्वे अभी खत्म नहीं हुए हैंष और अगर वे इराक के खिलाफ अपना आखिरी मैच जीत जाते हैं और दूसरे नतीजे उनके पक्ष में रहते हैं, तो वे राउंड

ऑफ 32 में पहुँच सकते हैं। हालैंड के दो गोल की बदौलत नॉर्वे ने सेनेगल को 3–2 से हरा दिया, जिससे सेनेगल को लगातार दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा। सेनेगल का अगला मैच इराक के खिलाफ है।

फ्रांस और नॉर्वे ने अपने दोनों मैच जीत लिए हैं और छह–छह अंकों के साथ आरामदायक स्थिति में हैं। सेनेगल के लिए अब सबसे अच्छा मौका तीसरे स्थान पर रहने वाली सर्वश्रेष्ठ टीमों के लिए तय आठ स्लॉट में से एक हासिल करना है, और इसके लिए उन्हें लीग चरण के अपने आखिरी मैच में इराक को हराना होगा। टूर्नामेंट में अपनी संभावनाओं के बारे में बात करते हुए थियाव ने रॉयटर्स से कहा कि हमारा एक मैच बाकी है और हमें इस आखिरी गेम पर ध्यान देना होगा। हमें तीन पॉइंट हासिल करने की कोशिश करनी होगी और फिर उम्मीद करनी होगी कि सब ठीक हो।

उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यह कहना अभी जल्दबाजी होगी कि हम नाकाम रहे हैं। हम अभी पूरी तरह बाहर नहीं हुए हैं। हमारी स्थिति अच्छी नहीं है, और यह सच है कि सेनेगल ने पहली बार वर्ल्ड कप कैंपेन की शुरुआत दो हार के साथ की है। उन्होंने कहा कि लेकिन हमारे पास अभी भी क्वालिफाई करने का मौका है और हम आखिरी मैच पर ध्यान देंगे। हम वे तीन पॉइंट हासिल करने की कोशिश करेंगे और उम्मीद करेंगे कि हम आगे बढ़ सकें। एक बार जब आप अगले राउंड में पहुँच जाते हैं, तो एक नया टूर्नामेंट शुरू हो जाता है।

हॉलैंड ने थ्थ्। वर्ल्ड कप में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने दो गोल किए, जिससे नॉर्वे ने न्यूयॉर्क न्यू जर्सी स्टेडियम में ग्रुप ᐸ के कड़े मुकाबले में सेनेगल को 3–2 से हराकर राउंड ऑफ 32 में अपनी जगह पक्की की। मार्क्स पेडरसन ने पहले हाफ के आखिर में नॉर्वे को बढ़त दिलाई थी, जिसके बाद ब्रेक के बाद हॉलैंड ने दो गोल किए। सेनेगल ने इस्माइला सार के जरिए जबरदस्त वापसी की कोशिश की, जिन्होंने अपनी टीम के लिए दोनों गोल किए, लेकिन नॉर्वे ने अपनी बढ़त बनाए रखी और एक अहम जीत हासिल की।

India-US Trade Deal: दिल्ली में गोयल–ग्रीर की हाई–लेवल मीटिंग, खुलेंगे नए आर्थिक अवसर

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर और केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को नई दिल्ली में अंतरिम समझौते पर बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए मुलाकात की। इस समझौते की शुरुआत राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी ने की थी।

भारत में अमेरिकी दूतावास के आधिकारिक अकाउंट ने बताया कि वे एक निष्पक्ष और आपसी व्यापार समझौते को हासिल करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जिससे अमेरिकी निर्यातकों के लिए बाजार खुलें और दोनों देशों को फायदा हो। एक्स पर आधिकारिक अकाउंट के अनुसार, वाणिज्य भवन में हुई इस उच्च–स्तरीय बैठक में अंतरिम समझौते और एक व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते, दोनों को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। इस महत्वपूर्ण बातचीत के लिए राजदूत ग्रीर के साथ भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर और एक वरिष्ठ अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधिमंडल भी मौजूद था।

जेमिसन ग्रीर और भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने आज नई दिल्ली में राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शुरू किए गए अंतरिम समझौते पर बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए मुलाकात की। बयान में कहा गया है कि अमेरिका एक निष्पक्ष और आपसी व्यापार समझौते को हासिल करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिससे

अमेरिकी निर्यातकों के लिए बाजार खुलें और दोनों देशों को फायदा हो। इससे पहले, मंत्री पीयूष गोयल ने वाणिज्य विभाग में आए अमेरिकी अधिकारियों का स्वागत किया और व्यापार संबंधों के भविष्य को लेकर उम्मीद जताई। उन्होंने भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर और उनके साथ आए अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का भी स्वागत किया, जो चल रही बातचीत का हिस्सा थे। एक्स पर एक पोस्ट में गोयल ने कहा मेंराजदूत जेमिसन ग्रीर, राजदूत सर्जियो गोर और उनके प्रतिनिधिमंडल का हार्दिक स्वागत है। भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर सार्थक बातचीत की उम्मीद है। इस बीच, भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने मंगलवार को केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि राजदूत जेमिसन ग्रीर के साथ अपनी बैठक का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि चल रही बातचीत से अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने का रास्ता साफ होगा।

एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि आज नई दिल्ली में मंत्री पीयूष गोयल और राजदूत ग्रीर के साथ मिलकर बहुत अच्छा लगा। अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने पर बातचीत चल रही है। एक्स पर एक और पोस्ट में, गोर ने अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि राजदूत जेमिसन ग्रीर की भारत यात्रा का स्वागत किया और कहा कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने से ष्दोनों देशों के लिए नए आर्थिक अवसर खुलेंगे और अमेरिका–भारत आर्थिक साझेदारी काफी मजबूत होगी।

जी7 शिखर सम्मेलन के बाद जापान की पीएम ताकाइची का दिल्ली दौरा, पीएम मोदी के साथ चीन पर बनेगी नई रणनीति?

जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची के अगले महीने 1 से

3 जुलाई तक भारत की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर आने की उम्मीद है। सूत्रों ने मंगलवार सुबह बताया कि ष्लॉजिस्टिकल दिक्कतोंष की वजह से उनकी यात्रा नई दिल्ली में होने की संभावना है। सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली के अलावा गुवाहाटी पर भी यात्रा के संभावित स्थान के तौर पर विचार किया गया था और जापानी पक्ष को इसका प्रस्ताव भी दिया गया था। सूत्रों ने कहा कि प्रधानमंत्री ताकाइची की घरेलू व्यस्तताओं को देखते हुए, उनके भारत आने और यहां से जाने के बीच का समय काफी कम है। इसे और राजधानी के बाहर यात्रा करने से जुड़ी अतिरिक्त लॉजिस्टिकल दिक्कतों को ध्यान में रखते हुए, यात्रा के दिल्ली में ही होने की संभावना है।

उन्होंने कहा कि इसमें कुछ ऐसे प्रोग्राम भी शामिल किए जा सकते हैं जिन्हें लेकर दोनों पक्ष उत्साहित हैं, ताकि द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा मिल सके। पिछले हफ्ते, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा था कि जापान के प्रधानमंत्री के 1 जुलाई को गुवाहाटी आने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ शिखर–स्तरीय बातचीत करने की संभावना है। मंगलवार को एक्स पर एक पोस्ट में असम के मुख्यमंत्री ने कहा, ष्जापान की माननीय प्रधानमंत्री, महामहिम सनाए ताकाइची के 1 जुलाई से गुवाहाटी आने और माननीय प्रधानमंत्री श्री @narendramodiji के साथ शिखर–स्तरीय बातचीत करने की संभावना है। जापान की स्थानीय मीडिया ने हाल ही में खबर दी थी कि ताकाइची जुलाई की शुरुआत में असम का दौरा करने वाली हैं। निक्केई की 18 जून की रिपोर्ट के अनुसार, उनके साथ 50 से ज्यादा जापानी कंपनियों और संगठनों के नेता भी होंगे। इस बीच, NHK की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पीएम मोदी के साथ बैठक के दौरान दोनों नेताओं के बीच सुरक्षा और अर्थव्यवस्था सहित कई क्षेत्रों में सहयोग के ठोस उपायों पर चर्चा होने की उम्मीद है। यह चर्चा पिछले साल पीएम मोदी की जापान यात्रा के दौरान घोषित अगले दशक के लिए जापान–भारत के संयुक्त विजन पर आधारित होगी। इस महीने की शुरुआत में फ्रांस में जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान ताकाइची के साथ अपनी बैठक में, पीएम मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत और जापान विभिन्न क्षेत्रों में अपने संबंधों को और गहरा करना जारी रखेंगे, जिसमें व्यापार और निवेश प्राथमिकता वाले क्षेत्र बने रहेंगे।

ईरान को अमेरिका का सम्मान करना सीखना होगा, ट्रंप की नई नसीहत

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जोर देकर कहा कि ईरान–इजराइल युद्ध खत्म होने के बाद शांति बनाए रखने में तेहरान की ओर से सम्मान दिखाना सबसे अहम बात होगी। साथ ही, उन्होंने उम्मीद जताई कि होर्मुज जलडमरूमध्य के पूरी तरह खुलने से तेल की भारी आपूर्ति शुरू हो जाएगी। ट्रंप ने सोमवार को अपने ओवल ऑफिस में पत्रकारों से कहा, ष्जब तक वे हमारा सम्मान करते हैं – मैं श्डरश शब्द का इस्तेमाल नहीं करना चाहता क्योंकि यह सही शब्द नहीं है – लेकिन जब तक वे हमारा सम्मान करते हैं, हमें कोई परेशानी नहीं होगी। 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमलों के बाद ईरान ने इस अहम शिपिंग रूट को बंद कर दिया था, जिससे उस इलाके के बाहर भी ईंधन की कीमतें तेजी से बढ़ गई थीं। हालांकि लड़ाई रोकने और रास्ता फिर से खोलने के लिए एक अंतरिम समझौता हुआ था, लेकिन मुख्य रास्ता अभी भी बारूदी सुरंगों (माइंस) की वजह से बंद है, जबकि सप्ताहांत में दर्जनों जहाजों ने इस इलाके से सफलतापूर्वक गुजरकर दिखाया है। ईरान की संसद के स्पीकर

और मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बाघेरी गालिबाफ ने सोमवार को जोर देकर कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य का प्रबंधन ईरान ही करेगा, लेकिन अंतरराष्ट्रीय कानूनों के मुताबिक। स्विट्जरलैंड से लौटते समय विमान में ईरानी सरकारी मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, ष्उम्मीद है कि हम इस जलडमरूमध्य को आवाजाही के लिए फिर से चालू कर पाएंगे और क्षेत्रीय व वैश्विक अर्थव्यवस्था में खुशहाली वापस ला पाएंगे। घालीबाफ और विदेश मंत्री अब्बास अराघची सोमवार रात ओमान पहुँचे, जहाँ उन्होंने ओमान के विदेश मंत्री बद्र अल बुसैदी के साथ शांति प्रयासों और जलडमरूमध्य (स्ट्रेट) से सुरक्षित आवाजाही के बारे में बातचीत की।

अंतरिम समझौते के तहत, अमेरिकी ट्रेजरी ने सोमवार को ईरानी तेल पर प्रतिबंधों में छूट देने के लिए 60 दिन का लाइसेंस जारी किया। खास बात यह है कि इस लाइसेंस से ईरानी तेल का अमेरिका में आयात हो सकेगाय अमेरिका ने 1990 के दशक के बाद से ईरानी तेल का कोई खास आयात नहीं किया है। इस जलडमरूमध्य में टैंकरों की आवाजाही धीरे–धीरे बढ़ी है। एनालिटिक्स फर्म श्केप्लरश (झचसमत) के डेटा के अनुसार, सप्ताहांत (वीकेंड) में 71 बार जहाज गुजरने की पुष्टि हुईय शनिवार को सबसे ज्यादा 35 जहाज गुजरे, जबकि युद्ध से पहले यहाँ रोजाना औसतन 100 से 130 जहाज गुजरते थे। बारूदी सुरंगों वाले बीच के रास्ते (सेंट्रल चौनल) से बचने के लिए, जहाज ईरानी जलक्षेत्र से होकर जाने वाले संकरे उत्तरी रास्ते या ओमान के जलक्षेत्र से होकर जाने वाले दक्षिणी रास्ते को चुन रहे हैं। बाजार की प्रतिक्रिया कमोडिटी की कीमतों में दिखीय ब्रेंट क्रूड की कीमत 3.2 प्रतिशत गिरकर 77.52 डॉलर प्रति बैरल हो गई, जो युद्ध से पहले के लगभग 70 डॉलर के स्तर के करीब पहुँच रही है।

ननिहाल आया मासूम सड़क हादसे का शिकार, परिवार में मचा कोहराम

दैनिक बुद्ध का संदेश

ललिया/बलरामपुर। थाना क्षेत्र के बहादुरगंज बाजार में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में पांच वर्षीय मासूम की मौत हो गई। हादसे के बाद बाजार में अफरा–तफरी मच गई, जबकि परिजनों में कोहराम मच गया। जुआथन श्रीनगर निवासी सचिन सोनी का पांच वर्षीय पुत्र अथर्व सोनी अपने ननिहाल बहादुरगंज बाजार में आयोजित एक पारिवारिक संस्कार कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दो दिन पहले आया था। मंगलवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे वह घर के बाहर खड़ी स्कूटी के पास खेल रहा था। इसी दौरान कपौवा चौराहे की ओर से गिट्टी लादकर आ रही ट्रैक्टर–ट्रॉली वहां पहुंची। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रैक्टर का अगला हिस्सा स्कूटी से टकरा गया, जिससे स्कूटी गिर गई और उसके पास खेल रहा अथर्व सड़क पर जा गिरा। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, ट्रॉली का पहिया उसके ऊपर चढ़ गया। गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पहुंची ललिया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मासूम की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मां ज्योति सोनी का रो–रोकर बुरा हाल है। घटना से ननिहाल और पैतृक गांव दोनों जगह शोक का माहौल है।

मोतीपुर के नट्टी नाला में अवैध खनन का आरोप, ग्रामीणों ने की कार्रवाई की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

तुलसीपुर/बलरामपुर। तुलसीपुर क्षेत्र के मोतीपुर स्थित नट्टी नाला में अवैध खनन किए जाने का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि नाले से बड़े पैमाने पर मिट्टी और बालू का खनन कर ट्रैक्टर–ट्रालियों के माध्यम से विभिन्न स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार खनन सामग्री से लदी ट्रैक्टर–ट्रालियां दिनभर बघेलखंड रोड से होकर गुजरती देखी जा सकती हैं। आरोप है कि नाले से निकाली गई मिट्टी और बालू का उपयोग क्षेत्र के कई निर्माण कार्यों में किया जा रहा है। ग्रामीणों का दावा है कि कुछ स्थानों पर खनन सामग्री का डंप भी किया जा रहा है। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि लगातार हो रहे खनन से नाले के अस्तित्व और आसपास के पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उनका कहना है कि यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई तो बरसात के दौरान कटान और जल निकासी की समस्या उत्पन्न हो सकती है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और खनन विभाग से मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। हालांकि समाचार लिखे जाने तक संबंधित विभाग की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हो सकी थी।

कोंचिग सेन्टरों में सुरक्षा व्यवस्था के जांच की मांगः भाजपा टीम इलेवन ने मण्डलायुक्त को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। लखनऊ के कोंचिग सेन्टर में अग्निकाण्ड में मौतों को लेकर लोगों में रोष है। मंगलवार को भाजपा टीम इलेवन ने

सत्येन्द्र सिंह 'भोलू' के नेतृत्व में मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह को ज्ञापन देकर बस्ती मण्डल के बस्ती, सिद्धार्थनगर और संतकबीर नगर जनपदों में चल रहे कोंचिग सेन्टरों, संस्थानों में सुरक्षा व्यवस्था, प्रवेश एवं निकास मार्ग, अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता तथा अन्य आवश्यक मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित कराये जाने की मांग किया। ज्ञापन देने के बाद सत्येन्द्र सिंह 'भोलू' ने कहा कि बस्ती मण्डल के सभी कोचिंग संस्थानों की व्यापक जांच कराई जाए तथा जहां भी सुरक्षा संबंधी कमियां पाई जाएं, उन्हें तत्काल दूर कराया जाए। कहा कि छात्र–छात्राओं की सुरक्षा सर्वोपरि है। किसी भी प्रकार की लापरवाही भविष्य में बड़े हादसे का कारण न बने, इसके लिए प्रशासन द्वारा प्रभावी कार्रवाई किया जाना अत्यंत आवश्यक है। ज्ञापन देने के दौरान बीजेपी टीम 11 के राजकुमार शुक्ला , सुनील कुमार सिंह , तारक जायसवाल, विनोद चौधरी आदि शामिल रहे।

छात्रें और युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ बंद हो, केंद्रीय शिक्षा मंत्री नैतिक आधार पर दें इस्तीफाः धीरेंद्र प्रताप सिंह धीरू

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एवं उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार छात्रों और युवाओं से जुड़े ज्वलंत मुद्दों को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी, बलरामपुर द्वारा जिला मुख्यालय पर एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस वार्ता में नीट परीक्षा सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं, बढ़ती बेरोजगारी तथा शिक्षा व्यवस्था की विफलताओं को प्रमुखता से उठाया गया। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष शिवलाल कोरी ने कहा कि आज देश और प्रदेश का युवा अपने भविष्य को लेकर गंभीर चिंता में है। बार–बार पेपर लीक होने, भर्ती परीक्षाओं के निरस्त होने तथा नियुक्तियों में देरी के कारण लाखों युवाओं की मेहनत और सपनों पर पानी फिर रहा है। भाजपा सरकार युवाओं के भविष्य की सुरक्षा करने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। कांग्रेस पार्टी युवाओं की आवाज बनकर उनके अधिकारों की लड़ाई मजबूती से लड़ती रहेगी। प्रदेश महासचिव एवं पूर्व विधायक धीरेंद्र प्रताप सिंह श्धीरूश ने कहा कि नीट सहित अनेक राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रही गड़बड़ियां शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करती हैं। वर्ष 2018, 2021, 2022 और 2026 में भी नीट परीक्षा को लेकर विवाद और अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक होने से करोड़ों युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि जब बार–बार परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे हैं, तब इसकी नैतिक जिम्मेदारी केंद्र सरकार और केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय पर बनती

है। इसलिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को नैतिक आधार पर तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी मानती है कि युवाओं का भविष्य किसी भी राजनीति से बड़ा विषय है और इसके साथ खिलवाड़ किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। धीरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार छात्रों, युवाओं और बेरोजगारों के मुद्दों को देश के सामने उठा रहे हैं। कांग्रेस पार्टी छात्रों की आवाज को संगठित कर एक मजबूत जनआंदोलन खड़ा करेगी ताकि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके। एआईसीसी सदस्य एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख राजबहादुर यादव ने कहा कि लाखों छात्र–छात्राएं वर्षों तक कठिन परिश्रम कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन पेपर लीक माफिया और सरकारी लापरवाही उनकी मेहनत को बर्बाद कर देती है। सरकार को परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए कठोर कदम उठाने चाहिए तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। पूर्व जिलाध्यक्ष अनुज कुमार सिंह ने कहा कि देश के युवाओं को रोजगार, शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता का गंभीर संकट झेलना पड़ रहा है। भाजपा सरकार के कार्यकाल में लगातार पेपर लीक और भर्ती घोटाले सामने आए हैं, जिससे युवाओं का भरोसा कमजोर हुआ है। कांग्रेस पार्टी छात्रों और युवाओं की हर लड़ाई में उनके साथ खड़ी है और उनके भविष्य की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेगी। वक्ताओं ने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा चलाए जा रहे ष्छात्रों की गूंजष् अभियान के माध्यम से छात्रों, प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थियों, शिक्षाविदों और युवाओं की समस्याओं को व्यापक स्तर पर उठाया जाएगा। साथ ही शिक्षा व्यवस्था में सुधार, समयबद्ध भर्ती प्रक्रिया, पेपर लीक पर प्रभावी रोक तथा युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की मांग को लेकर जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। प्रेस वार्ता में कांग्रेस पदाधिकारियों, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, महिला कांग्रेस, फ्रंटल संगठनों के प्रतिनिधियों, छात्र नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

युवती से छेड़छाड़ के विरोध पर परिवार पर हमला, एसपी से लगाया न्याय की गुहार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। रुधौली थाना क्षेत्र रानीपुर निवासी राहुल पुत्र गंगाराम ने मंगलवार को पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है कि उसकी बहन के साथ गांव के एक युवक ने छेड़छाड़ और दुष्कर्म का प्रयास किया। विरोध करने पर आरोपी पक्ष ने उसके परिवार के लोगों के साथ मारपीट कर दी, जिसमें कई लोग घायल हो गए। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक को दिए पत्र में कहा कि 20 जून 2026 की सुबह करीब 10 बजे उसकी बहन गांव के पूर्व दिशा स्थित बाग में गई थी। आरोप है कि वहां गांव के दिलीप पुत्र झिनक ने उसके साथ गलत हरकत करने का प्रयास किया। शोर मचाने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके

से फरार हो गया। शिकायतकर्ता के अनुसार, घटना की जानकारी मिलने पर वह और उसके परिजन आरोपित पक्ष से शिकायत करने पहुंचे। आरोप है कि वहां दिलीप, दीपू पुत्रगण झिनक, दीपक, गायत्री पत्नी झिनक तथा साधना समेत अन्य लोगों ने एक राय होकर लाठी–डंडों से हमला कर दिया, जिससे राहुल को चोटें आईं। पीड़ित राहुल का कहना है कि उसका उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रुधौली में कराया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल बस्ती रेफर किया गया। शिकायत में स्थानीय पुलिस पर भी उचित कार्रवाई न करने का आरोप लगाया गया है। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से मामले की जांच कर आरोपितों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने और आवश्यक कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

भीम युवा वाहिनी ने सौंपा ज्ञापनः अम्बेडकर पार्क के बाउन्ड्रीवाल, प्रतिमा पर छाजन के साथ सड़क निर्माण की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। मंगलवार को भीम युवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनू राव, प्रदेश अध्यक्ष अजय राव, जिलाध्यक्ष रविन्द्र कुमार के नेतृत्व में पदाधिकरियों और ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि लालगंज थाना क्षेत्र के बैसुखिया में स्थित अम्बेडकर पार्क की बाउन्ड्रीवाल, लगे प्रतिमा का छाजन और प्राथमिक विद्यालय के सामने से अनुसूचित जाति बस्ती की ओर जाने वाली सड़क का निर्माण कार्य कराया जाय। ज्ञापन देने के बाद भीम युवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनू राव, जिलाध्यक्ष रविन्द्र कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री के स्पष्ट आदेश के क्रम में जनपद के अनेक गाँव में सुरक्षित अम्बेडकर पार्क तथा पार्क में लगे बाबा साहब डा० अम्बेडकर प्रतिमा को छाजन लगाकर सुरक्षित कराये जाने का आदेश सम्बन्धित विभागों दिया गया है। उसके बाद भी जनपद के पार्को में लगे बाबा साहब की प्रतिमा को आराजक तत्वो द्वारा खण्डित किया जाता रहता है। यदि आदेश का अनुपालन हो तो जनपद में तमाम गाँवो में अम्बेडकर पार्क में लगे बाबा साहब डा० भीम राव अम्बेडकर की प्रतिमा की सुरक्षा हो सकता है। भीम युवा वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राव ने कहा कि लालगंज थाना क्षेत्र के बैसुखिया स्थित अम्बेडकर पार्क के चारो तरफ बाउन्ड्री वाल व पार्क के अन्दर लगे बाबा साहब डा० भीम राव अम्बेडकर जी की प्रतिमा पर छाजन लगवाये जाने से सुरक्षित हो सकती है। गाँव के प्राथमिक विद्यालय के सामने से जाने वाली सड़क जो अम्बेडकर पार्क से होते हुए अनुसूचित जाति बस्ती को जाती है, इस पर हजारो लोगो का आवागमन होता रहता है, जो कई वर्षों से ज्यो का त्यो बना हुआ है। यहां सड़क का निर्माण कराया जाना जनहित में आवश्यक है। ज्ञापन देने वालों में राहुल, दुर्गावती, रेखा, साधना, लक्ष्मी ,शकुन्तला देवी, संतराम, रवि किशन, गुड़िया, विमला देवी आदि शामिल रहे।

निषाद पार्टी के कार्यकर्ता लक्ष्मण निषाद की हत्या से रोष

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। जमीनी विवाद को लेकर लालगंज थाना क्षेत्र के मेहनौना गांव में सोमवार की देर रात निषाद पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता लक्ष्मण निषाद की हत्या से रोष का माहौल है। मंगलवार को निषाद पार्टी के प्रदेश महासचिव दीपू निषाद, जिलाध्यक्ष अशोक निषाद, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष धर्मराज निषाद ने अपर पुलिस अधीक्षक से मिलकर दोषियों को तत्काल गिरफ्तार कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग किया। प्रदेश महासचिव दीपू निषाद, जिलाध्यक्ष अशोक निषाद ने पीड़ित परिवार की सुरक्षा और आर्थिक सहायता दिये जाने की मांग किया। चेतावनी दिया कि शीघ्र हत्यारे गिरफ्तार न हुये तो पार्टी आन्दोलन को बाध्य होंगी ।ज्ञात रहे कि लालगंज थाना क्षेत्र के मेहनौना गांव में लक्ष्मण निषाद की पीट–पीटकर हत्या कर दिया गया। मृतक की पत्नी सुभावती देवी ने गांव के दो लोगों समेत चार–पांच अज्ञात व्यक्तियों पर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। सुभावती देवी पत्नी स्वर्गीय लक्ष्मण निषाद ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि 22 जून 2026 की रात करीब 9.15 बजे गांव के सुधाकर पाल पुत्र निर्भय प्रकाश पाल, सौरभ पाल पुत्र स्वर्गीय संजय पाल तथा चार–पांच अज्ञात लोग उनके पति लक्ष्मण निषाद को बहाने से नदी के पास बुलाकर ले गए। आरोप है कि वहां लोहे की रॉड और डंडों से उनकी बेरहमी से पिटाई की गई। सुभावती देवी मौके पर पहुंचीं तो उन्होंने अपने पति को कुछ लोगों द्वारा मारते हुए देखा। शोर मचाने पर कुछ लोग भाग गए, जबकि नामजद आरोपितों ने कथित रूप से मारपीट जारी रखी। महिला का आरोप है कि गंभीर चोटों के कारण उनके पति की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने आरोप लगाया कि घटना के बाद आरोपित जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। लालगंज पुलिस मेहनौना निवासी सुधाकर पाल पुत्र निर्भय प्रकाश पाल, सौरभ पाल पुत्र स्वर्गीय संजय पाल के साथ ही 5 अज्ञात के विरुद्ध बीएनएस की धारा 103 (1), 191 (2), 191 (3), 352, 351 (3) की धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर पोस्टमार्टम कराने के साथ मामले की विवेचना कर रही है।अपर पुलिस अधीक्षक से मिलकर दोषियों को तत्काल गिरफ्तार करने की मांग करने वालों में धर्मराज निषाद, हरी प्रसाद साहनी, ज्ञान प्रकाश निषाद, अजय निषाद, शम्भू निषाद के साथ ही मृतक लक्ष्मण निषाद की पत्नी, बेटियां और परिजन शामिल रहे।

यात्रियों को ठंडई शरबत पिलाकर किया सेवा कार्य

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनौली/महराजगंज। भीषण गर्मी और उमस के बीच राहगीरों एवं यात्रियों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से हनुमान सेवा समिति सोनौली द्वारा ठंडई शरबत वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समिति के सदस्यों ने भारत–नेपाल सीमा से होकर आने–जाने वाले यात्रियों, स्थानीय लोगों तथा वाहन चालकों को ठंडई शरबत पिलाकर सेवा भाव का परिचय दिया।समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। गर्मी के मौसम में लोगों को शीतल पेय उपलब्ध कराना एक पुनीत कार्य है, जिससे राहगीरों को राहत मिलती है। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने शरबत ग्रहण किया और समिति के इस प्रयास की सराहना की ।कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने कहा कि सामाजिक संगठनों द्वारा समय–समय पर इस प्रकार के सेवा कार्य समाज में सहयोग और सद्भाव का संदेश देते हैं। हनुमान सेवा समिति के सदस्यों ने भविष्य में भी जनहित के ऐसे कार्यक्रम जारी रखने का संकल्प लिया।

कोचिंग सेंटरों में सुरक्षा व्यवस्था की जांच की मांगः भाजपा टीम इलेवन ने मंडलायुक्त को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बस्ती। लखनऊ के कोचिंग सेंटर में हुए अग्निकांड में हुई मौतों को लेकर लोगों में रोष व्याप्त है। मंगलवार को भाजपा टीम इलेवन ने सत्येन्द्र सिंह 'भोलू' और राजकुमार शुक्ला के नेतृत्व में मंडलायुक्त अखिलेश सिंह को ज्ञापन सौंपकर बस्ती मंडल के बस्ती, सिद्धार्थनगर और संतकबीर नगर जनपदों में संचालित कोचिंग सेंटरों एवं शिक्षण संस्थानों में सुरक्षा व्यवस्था, प्रवेश एवं निकास मार्ग, अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता तथा अन्य आवश्यक मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित कराए जाने की मांग की ।ज्ञापन सौंपने के बाद सत्येन्द्र सिंह 'भोलू' ने कहा कि बस्ती मंडल के सभी कोचिंग संस्थानों की व्यापक जांच कराई जाए तथा जहां भी सुरक्षा संबंधी कमियां पाई जाएं, उन्हें तत्काल दूर कराया जाए। उन्होंने कहा कि छात्र–छात्राओं की सुरक्षा सर्वोपरि है। किसी भी प्रकार की लापरवाही भविष्य में बड़े हादसे का कारण न बने, इसके लिए प्रशासन द्वारा प्रभावी कार्रवाई किया जाना अत्यंत आवश्यक है ।राजकुमार शुक्ला ने कहा कि लखनऊ की घटना ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी कितनी घातक हो सकती है। उन्होंने मांग की कि मंडल के सभी कोचिंग सेंटरों का विशेष अभियान चलाकर निरीक्षण कराया जाए और जिन संस्थानों में सुरक्षा मानकों का पालन नहीं हो रहा है, उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि छात्रों और अभिभावकों की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता ।ज्ञापन देने के दौरान भाजपा टीम इलेवन के राजकुमार शुक्ला, सुनील कुमार सिंह, तारक जायसवाल, विनोद चौधरी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में नाले में डूबकर युवक की मौत

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र ।बीना पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत एसआरटी गांव के समीप नाले में मछली मारने गए 26 वर्षीय युवक की सोमवार देर शाम संदिग्ध परिस्थितियों में डूब कर मौत हो गई। परिजनों ने आनन–फानन में अचेत पड़े युवक को अस्पताल में लें गए। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया ।बीना चौकी प्रभारी अजय श्रीवास्तव ने बताया कि एसआरटी गांव निवासी ऋषिराज रावत पुत्र वृजवासी रावत मछली मारने गया था ।परिजनों के मुताबिक पानी में डूब कर मौत होने की बात कही है।

जानकारी कें मुताबिक ऋषि राज रावत शादीशुदा हैं। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पीएम कें लिए दुद्धि रवाना कर जाँच पड़ताल कें साथ अग्रिम कारवाई में जुटी हुई है।

संसद भवन में राष्ट्रीय जैव ऊर्जा कार्यक्रम पर मंथन, किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए वरदान : जगदम्बिका पाल

नई दिल्ली। संसद भवन परिसर में मंगलवार को आयोजित ऊर्जा संबंधी स्थायी समिति (2025–26) की महत्वपूर्ण बैठक में "राष्ट्रीय जैव ऊर्जा कार्यक्रम एक मूल्यांकन" विषय पर व्यापक चर्चा और समीक्षा की गई। बैठक में डुमरियागंज के सांसद जगदम्बिका पाल सहित समिति के अन्य सदस्यों ने भाग लिया। इस दौरान देश में स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने, ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने के लिए चलाए जा रहे राष्ट्रीय जैव ऊर्जा कार्यक्रम की प्रगति और भविष्य की संभावनाओं पर विस्तार से मंथन किया गया।बैठक में नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय तथा सरदार स्वर्ण सिंह राष्ट्रीय जैव ऊर्जा संस्थान (एसएसएस–नाइब) के वरिष्ठ अधिकारियों और विशेषज्ञों ने कार्यक्रम से संबंधित विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। प्रस्तुतीकरण में देश में जैव ऊर्जा क्षेत्र की वर्तमान स्थिति, अब तक की उपलब्धियों, तकनीकी प्रगति, अनुसंधान गतिविधियों तथा भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान पर भी चर्चा की गई।समिति की बैठक में जैव ऊर्जा को देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के एक महत्वपूर्ण विकल्प के रूप में रेखांकित किया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि .षि अवशेष, पशु अपशिष्ट, जैविक कचरे और अन्य प्रा.तिक संसाधनों से ऊर्जा उत्पादन कर न केवल स्वच्छ ऊर्जा प्राप्त की जा सकती है, बल्कि पर्यावरण प्रदूषण को भी काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके अलावा जैव ऊर्जा के माध्यम से कार्बन

उत्सर्जन में कमी लाने और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करने में भी मदद मिलेगी।बैठक के दौरान ऊर्जा सुरक्षा को सु.ढ़ बनाने और पारंपरिक ईंधनों पर निर्भरता कम करने के उपायों पर भी विचार–विमर्श किया गया। विशेषज्ञों ने कहा कि जैव ऊर्जा क्षेत्र में हो रहे नवाचार और तकनीकी विकास भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित होने वाली जैव ऊर्जा परियोजनाएं स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाने के साथ–साथ किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में भी सहायक सिद्ध होंगी।बैठक में अपने विचार रखते हुए सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि जैव ऊर्जा केवल एक ऊर्जा स्रोत नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास, पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक समृद्धि का मजबूत माध्यम बन सकती है। उन्होंने कहा कि .षि प्रधान देश भारत में किसानों के पास उपलब्ध . षि अवशेषों और जैविक संसाधनों का बेहतर उपयोग कर आय के नए स्रोत विकसित किए जा सकते हैं। इससे किसानों को अतिरिक्त आमदनी प्राप्त होगी और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए लगातार कार्य कर रही है और राष्ट्रीय जैव ऊर्जा कार्यक्रम उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने इस क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार और जनभागीदारी को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि सरकार, वैज्ञानिक संस्थानों और आम जनता के संयुक्त प्रयासों से ही इस कार्यक्रम को और अधिक सफल बनाया जा सकता है।सांसद जगदंबिका पाल ने विश्वास व्यक्त किया कि राष्ट्रीय जैव ऊर्जा कार्यक्रम विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि स्वच्छ, सुरक्षित और आत्मनिर्भर ऊर्जा व्यवस्था का निर्माण देश की प्राथमिकताओं में शामिल है और केंद्र सरकार के प्रयासों से भारत आने वाले वर्षों में ऊर्जा क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि जैव ऊर्जा के क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक बदलाव न केवल देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करेंगे, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लक्ष्यों को हासिल करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

बिना लाइसेंस कीटनाशकों के विक्रय पर होगी सख्त कार्रवाई जिलाधिकारी'

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र।जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने जनपद के समस्त कीटनाशक विक्रेताओं, थोक एवं फुटकर व्यापारियों, ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म संचालकों तथा .षक बंधुओं को निर्देशित करते हुए कहा है कि कीटनाशी अधिनियम, 1968 एवं कीटनाशी नियमावली, 1971 के प्रावधानों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना वैध लाइसेंस के किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा कीटनाशकों का भंडारण, विक्रय, वितरण अथवा ऑनलाइन व्यापार पूर्णतः प्रतिबंधित है।जिलाधिकारी ने कहा कि कीटनाशकों के विक्रय एवं भंडारण हेतु सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्गत लाइसेंस प्राप्त करना अनिवार्य है। सभी लाइसेंसधारी विक्रेता केवल अनुमोदित एवं पंजी.त कीटनाशकों का ही विक्रय करें तथा प्रत्येक बिक्री पर बिल अथवा कैश मेमो जारी करते हुए अभिलेखों एवं स्टॉक रजिस्टर का अद्यतन संधारण सुनिश्चित करें।उन्होंने बताया कि ऑनलाइन माध्यमों एवं ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिए कीटनाशकों के विक्रय से पूर्व संबंधित विक्रेता के वैध लाइसेंस का सत्यापन आवश्यक है। जनपद में समय–समय पर विशेष निरीक्षण अभियान संचालित किए जाएंगे। निरीक्षण के दौरान बिना लाइसेंस कीटनाशकों का भंडारण, विक्रय अथवा ऑनलाइन व्यापार पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कीटनाशी अधिनियम, 1968 के अंतर्गत कठोर विधिक कार्रवाई की जाएगी।जिलाधिकारी ने .षक बंधुओं से अपील की है कि वे केवल अधि.त एवं लाइसेंसधारी विक्रेताओं से ही कीटनाशक क्रय करें तथा खरीद के समय बिल अवश्य प्राप्त करें।

ब्राम्हण महासभा प्रदेश अध्यक्ष प्रशान्त पाण्डेय ने त्याग पत्र दिया

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बस्ती। ब्राम्हण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रशान्त पाण्डेय ने अपने पद से त्याग पत्र दे दिया है। प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से प्रशान्त पाण्डेय ने कहा कि भगवान परशुराम के भव्य मंदिर के शीघ्र निर्माण पूरा कराये जाने ब्राम्हण समाज के उत्थान, चुनौतियों, समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से उन्होने दायित्व संभाला था। ब्राम्हण महासभा के कुछ पदाधिकारियों की मनमानी शैली, ब्राम्हण समाज के हितों पर संवादहीनता के कारण वे पद से त्याग पत्र दे रहे हैं।

पेपर लीक, छात्रों की आत्महत्या को लेकर त्याग पत्र दें धर्मेन्द्र प्रधान–पुनीत पाठक

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बस्ती। मंगलवार को कांग्रेस कार्यालय पर पत्रकारों से वार्ता के दौरान प्रदेश प्रवक्ता पुनीत पाठक ने कहा कि पेपरलीक मामलों में केन्द्र सरकार की चुप्पी दुर्भाग्यपूर्ण है। कुछ छात्रों की आत्महत्या और शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के त्याग पत्र की मांग को अनसुना कर देना चिन्ताजनक है। कहा कि कांग्रेस लगातार शिक्षा के सवाल को लेकर संघर्षरत है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पेपरलीक के मामले को प्रमुखता से उठाया, छात्रों का हौसला बढाया और आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिजनों से मिले किन्तुं परीक्षा में सुझाव देने वाले प्रधानमंत्री खामोश हैं और अनगिनत खामियों के बावजूद केन्द्रीय शिक्षा मंत्री द्वारा त्याग पत्र न दिया जाना लोकतांत्रिक

नैतिकता के विरूद्ध है।पत्रकारों के प्रश्नों का उत्तर देते हुये पुनीत पाठक ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली नीट परीक्षा के अलावा सीबीएससी की उत्तर पुस्तिका मूल्यांकन में गड़बड़ियों के अतिरिक्त उत्तर प्रदेश में चाहे लेखपाल भर्ती परीक्षा हो, यूपीएसआई, पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा हो, आरओ–एआरओ भर्ती परीक्षा हो. एसएससी जीडी भर्ती परीक्षा हो, सहायक प्रोफेसर भर्ती परीक्षा हो, ऐसी तमाम प्रतियोगी परीक्षाएं पेपर लीक के माध्यम से भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गयीं। हाल ही में हुई नीट परीक्षा के पेपर लीक के बाद कांग्रेस पार्टी द्वारा आवाज उठाने एवं सड़कों पर संघर्ष करने के चलते सरकार को पुनः परीक्षा कराने का निर्णय लेना पड़ा।कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी ने कहा कि नीट पेपर लीक से पैदा हुए मानसिक तनाव के कारण देश के विभिन्न राज्यों से अब तक 12 छात्र अपनी जान गंवा चुके हैं। कांग्रेस पार्टी इसे आत्महत्या नहीं बल्कि सरकार उत्प्रेरित हत्या मानती है। राजस्थान में प्रदीप मेघवाल, दिल्ली में अंशिका पाण्डेय, उ०प्र० में रितिक मिश्रा व शिवानी यादव, गोवा में सिद्धार्थ हेगडे, कर्नाटक में भाग्यश्री, मध्य प्रदेश में आकांक्षा चतुर्वेदी, राजस्थान में उमेश माली और रेणु मीणा, उत्तराखण्ड में रिया कुमारी थापा, तमिलनाडु में अनुकीर्तना, गुजरात में कहान पटेल ने मानसिक तनाव में अपनी जान दे दी।दुर्भाग्यपूर्ण है कि परीक्षा के प्रश्नपत्र छपने के बाद बिचौलियों के जरिए परीक्षा से पहले बड़ी संख्या में प्रश्नपत्र बेंचे जाते हैं। जांच में कुछ छात्रों ने बताया है कि उन्होने लीक पेपर के लिए 25हजार से 40 लाख रूपये तक चुकाये। पिछले 12 वर्षों में 23 राष्ट्रीय परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं यानी लगभग हर वर्ष दो पेपर लीक हुए हैं। अब तक देश भर में लगभग 90 से अधिक पेपर लीक हो चुके हैं लेकिन दोषियों को सजा मिलने के मामले न के बराबर है। कांग्रेस इन सवालों को लेकर लगातार संघर्ष कर रही है।कांग्रेस नेता वृजेश आर्य, शौकत अली नन्हू, डा. वाहिद अली सिद्दीकी , संदीप श्रीवास्तव ने कहा कि भारत की शिक्षा व्यवस्था आज सिर्फ एक वसूली तन्त्र बनकर रह गया है। इन्हीं पीड़ाओं को लेकर राहुल गांधी पूरे देश में छात्रों की गूंज कार्यकम अभियान के माध्यम से निष्पक्ष और सस्ती–बेहतर शिक्षा प्रणाली की आवाज बनेंगे। छात्रों की गूंज अभियान पूरे देश में कांग्रेस पार्टी के अग्रिम संगठन एनएसयूआई और युवा और युवा कांग्रेस के माध्यम से चलाया जाएगा।प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से साधू शरन आर्य, अलीम अख्तर, सुधीर यादव, राहुल चौधरी, प्रशान्त पाठक, संजय कुमार, अवनीश पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

तेज रतार पिकअप के धक्के से व्यापारी की मौत, मचा कोहराम

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र।बभनी थाना क्षेत्र में मंगलवार की सुबह तेज रतार पिकअप वाहन की चपेट में आने से एक व्यापारी की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया, वहीं सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई।जानकारी के अनुसार बभनी निवासी गिरवर प्रसाद (47) पुत्र विरझू प्रसाद मंगलवार की सुबह करीब पौने पांच प्रतिदिन की भांति टहलने के लिए घर से निकले थे। इसी दौरान बभनी–अंबिकापुर मार्ग पर बीआरसी के समीप रेणुकूट की तरफ जा रही तेज रतार पिकअप वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े और तड़फड़ाने लगे।घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायल को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बभनी ले गये लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी और चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।हादसे की खबर मिलते ही परिवार में चीख–पुकार मच गई और कोहराम मच गया वहीं बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। मृतक के दो लड़कियां और एक लड़का है।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी भेज दिया।पुलिस दुर्घटना में शामिल पिकअप वाहन की तलाश में जुटी हुई है।इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक डीपी यादव ने बताया कि सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मृत्यु हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है तथा मामले की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

आवास पात्रता सूची सत्यापन हेतु करायी गयी बैठक का वी डी ओ ने लिया जयजा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

करमा/सोनभद्र। विकास खण्ड करमा के सात ग्राम पंचायतों में मंगलवार को प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के आवास प्लस सर्वेक्षण 2024की स्थाई पात्रता सूची के सत्यापन के लिए ग्राम पंचायतों में बैठकें कराई गई। खण्ड विकास अधिकारी गुरुशरन श्रीवास्तव ने परही, रानीतारा, सिरसिया, सिरविट ग्राम पंचायतों में कराई जा रही बैठकों का जायजा लिया और ग्रामीणों को प्रधानमंत्री आवास योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सरकार हर गरीब परिवारों जो योजना के लिए पात्र लोगों को पक्का छत उपलब्ध करा रही है।

परही में 176लाभार्थी पंजी.त थे बैठक के दौरान 105ग्रामीण मौजूद रहे। इसी तरह खैराही में सचिव सुनील कुमार यादव ने 151 पंजी.त लोगों की सूची पढ़कर सुनाई और सरकार द्वारा जारी पात्र एवं अपात्र के नियमों की जानकारी दी। ग्रामीणों से पूछ कर सत्यापन किया गया। बी, डी, ओ ने बताया कि 24जून को बागपोखर, किंगरी, टिकुरिया, डीलाही, तकिया, बबुराही ग्राम पंचायतों में बैठके होंगी।

उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल कार्यकारिणी का विस्तार: 40 पदाधिकारियों को मिली जिम्मेदारी.

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बस्ती। मंगलवार को उद्योग व्यापार प्रतिनधि मण्डल उत्तर प्रदेश द्वारा स्थानीय ब्लाक रोड स्थित वीरा पैलेस में जिला कार्यकारिणी का विधिवत विस्तार किया गया। जिलाध्यक्ष राकेश सिंह ने बताया आगामी सात जुलाई को कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह होटल ग्रीन वैली में आयोजित किया गया है। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष एवं मण्डल प्रभारी हरिमूर्ति सिंह मनोज ने बताया कि संगठन व्यापारियों की हर जरुरतों को ध्यान में रखकर व्यापारी हितों के लिए तत्पर है।

उन्होंने बताया कि कार्यकारिणी विस्तार में 40 पदाधिकारियों को

नई जिम्मेदारी सौंपी गई है।जिला अध्यक्ष राकेश सिंह ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष लोकेश अग्रवाल के निर्देशानुसार किये गये कार्यकारिणी विस्तार में श्याम श्रीवास्तव विक्की को नगर मंत्री, राजकुंवर विक्की फोटो वाले को नगर संगठन मंत्री, शशांक मद्धेशिया को जिला संगठन मंत्री, समीर राना को जिला मंत्री, शैलेन्द्र कुमार चौधरी को जिला संगठन मंत्री, नवीन कुमार को नगर वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सूरज कुमार गुप्ता को युवा जिला उपाध्यक्ष, उज्ज्वल श्रीवास्तव को जिला युवा मंत्री, शकील अहमद को जिला उपाध्यक्ष, अश्विन कुमार को जिला संगठन मंत्री, शुभम कुमार को जिला युवा संगठन मंत्री, नितिन श्रीवास्तव को जिला मंत्री, विजय कुमार को नगर मंत्री, उपमेय प्रताप सिंह (मनु) को जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष, .ष्ण चन्द्र चौधरी को जिला वरिष्ठ मंत्री, दीपक मिश्र को जिला उपाध्यक्ष, अमन गुप्ता को बस्ती मण्डल का कोषाध्यक्ष, चन्दन कुमार विश्वकर्मा को जिला मंत्री, जगदीश सिंह (जालिम) को जिला संरक्षक, शम्भू नाथ मद्धेशिया को जिला उपाध्यक्ष, मो. फुरकान को नगर मंत्री, बृजनन्दन दास मिश्र, कवीस अबरोल एवं राज तिवारी सहित अन्य लोगों को जिम्मेदारियां दी गईं। पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह सात जुलाई को होगा, जिसके मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष लोकेश अग्रवाल होंगे।

लखनऊ के अलीगंज स्थित कोचिंग सेंटर में अग्निकांड की घटना अत्यंत दुःखद – पवन कुमार सिंह एडवोकेट

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के पूर्व उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता पवन कुमार सिंह एडवोकेट ने लखनऊ के अलीगंज स्थित कोचिंग सेंटर में सोमवार को हुई भीषण अग्निकांड की घटना पर गहरा दुःख व्यक्त किया है।जारी बयान में उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। कोचिंग सेंटर में लगी आग की घटना अत्यंत चिंताजनक है, जिसने एक बार फिर सुरक्षा मानकों की अनदेखी की ओर ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थानों में अग्निशमन उपकरणों, आपातकालीन निकास मार्गों तथा सुरक्षा मानकों की नियमित जांच सुनिश्चित की जानी चाहिए।पवन कुमार सिंह एडवोकेट ने प्रदेश सरकार एवं प्रशासन से घटना की उच्चस्तरीय जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी एवं ठोस कदम उठाना आवश्यक है।उन्होंने दुर्घटना से प्रभावित विद्यार्थियों एवं उनके परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से सभी के सुरक्षित एवं स्वस्थ रहने की कामना की

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में 60 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र।मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत मंगलवार को विकास बैकेट, मुसही (चुर्क रोड), रॉबर्ट्सगंज में भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। सामाजिक समरसता, महिला सशक्तिकरण एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सम्मानजनक वैवाहिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में कुल 60 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे। समारोह में 58 हिंदू एवं 2 मुस्लिम जोड़ों का विवाह उनके धार्मिक रीति–रिवाजों और परंपराओं के अनुसार संपन्न कराया गया। पूरे आयोजन स्थल पर मंगलगीतों और शुभकामनाओं का वातावरण रहा तथा नवदंपत्तियों के चेहरों पर नई जिंदगी की खुशियां झलकती रहीं।कार्यक्रम में सांसद छोटेलाल खरवार जी, विधायक भूपेश चौबे , ब्लॉक प्रमुख अजीत रावत, नगर पंचायत अध्यक्ष रूबी प्रसाद सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने नवविवाहित

जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके सुखद एवं समृद्ध दांपत्य जीवन की कामना की।जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए जोड़ों में विकास खंड रॉबर्ट्सगंज के 32, चतरा के 13, नगवां के 5, नगर पालिका परिषद रॉबर्ट्सगंज के 8 तथा नगर पंचायत चुर्क के 2 जोड़े शामिल रहे। कार्यक्रम के सफल संचालन में समाज कल्याण विभाग, विकास विभाग एवं पुलिस प्रशासन की महत्वपूर्ण भूमिका रही।मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत प्रत्येक जोड़े को रूपया 01 लाख की सहायता प्रदान की जाती है। इसमें रूपया 64 हजार सीधे कन्या के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित किए जाते हैं, जबकि रूपया 21 हजार मूल्य की गृहस्थी एवं उपहार सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। शेष राशि विवाह आयोजन एवं व्यवस्थाओं पर व्यय की जाती है। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी हेमन्त कुमार सिंह, डीसी मनरेगा रविन्द्र वीर सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी ध्रुव गुप्त, जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह भदौरिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत 24 जून को दुद्धी तथा 29 जून को शाहगंज में भी सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे अधिकाधिक पात्र परिवारों को योजना का लाभ मिल सके।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक : श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, मकान नं0- 176, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टॉवर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद- बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ.प्र.-271201 से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 । सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद- सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

मां इंटी बंगारम बॉक्स ऑफिसः पहले वीकेंड छाई सामंथा रुथ प्रभु की फिल्म, तीसरे दिन की बंपर कमाई

अभिनेत्री सामंथा की हालिया रिलीज फिल्म मां इंटी बंगारम ने बॉक्स ऑफिस पर अपना पहला वीकेंड पूरा कर लिया है. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर तीसरे दिन शानदार शुरुआत की. रविवार को फिल्म ने 2,965 शो में भारत में 10.10 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया, जिससे इसका ग्रॉस कलेक्शन 26.69 करोड़ रुपये और नेट कलेक्शन 23.10 करोड़ रुपये हो गया. विदेशों में, इसने तीसरे दिन 4.00 करोड़ रुपये का लाभ कमाया, जिससे इसका कुल ओवरसीज कलेक्शन 15.10 करोड़ रुपये और कुल वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 41.79 करोड़ रुपये हो गया. फिल्म ने अपने पहले वीकेंड में लगातार अच्छी कमाई दर्ज की. शुक्रवार को 2,658 शो में 31.9 फीसदी ऑक्यूपेंसी के साथ फिल्म ने भारत में 5.35 करोड़ रुपये का नेट लाभ कमाया. शनिवार को 2,591 शो में 44.6 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी के साथ फिल्म ने 7.63 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. रविवार को फिल्म ने भारत में अब तक का अपना सबसे अधिक दैनिक कलेक्शन 10.10 करोड़ रुपये दर्ज किया, जिसमें ऑक्यूपेंसी बढ़कर 53.4 प्रतिशत हो गई. पहले वीकेंड कुल मिलाकर भारत में नेट कलेक्शन 23.10 करोड़ रुपये और ग्रॉस कलेक्शन 26.69 करोड़ रुपये हो गया. विदेशों में ग्रॉस कलेक्शन 15.10 करोड़ रुपये रहा, जबकि वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 41.79 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है. तेलुगु भाषा ने 2,341 शो में 61 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी के साथ 9.50 करोड़ रुपये का योगदान दिया, जबकि तमिल ने 624 शो में 25 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी के साथ 0.60 लाख रुपये का योगदान दिया. रविवार को हैदराबाद में तेलुगु फिल्मों के सबसे अधिक 501 शो चले, जिनमें 79.3 प्रतिशत दर्शक मौजूद थे. इसके बाद बेंगलुरु में 326 शो और विशाखापत्तनम में 119 शो चले. इसी प्रकार, चेन्नई में तमिल फिल्मों के सबसे अधिक 121 2ष्ठ शो प्रसारित हुए, जिनमें 33.5 प्रतिशत दर्शक मौजूद थे. इसके बाद कोयंबटूर में 48 और सलेम में 29 शो चले हुए. मां इंटी बंगारम एक पारंपरिक परिवार की पृष्ठभूमि पर बनी फिल्म है और एक ऐसी महिला की कहानी है, जिसका अतीत रहस्यमय है और जो समाज में ओहदा पाने के लिए संघर्ष करती है. जब उसके अतीत से खतरा फिर से उभरता है, तो उसे सच्चाई बताए बिना उस परिवार की रक्षा करनी पड़ती है, जो उस पर संदेह करता है. इस फिल्म का निर्देशन नंदिनी रेड्डी ने किया है और यह पटकथा लेखक और उनके पति राज निदिमोरू की रचना पर आधारित है. यह फिल्म 19 जून को रिलीज हुई थी. सहायक कलाकारों में दिगांथ, गुलशन देवैया, गौतमी, मंजुषा और श्रीमुखी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं. यह फिल्म खुशी के बाद सामंथा की तेलुगु सिनेमा में कमबैक का सबूत देती है.

मल्टीटैलेंटेड मुक्ति मोहनः अभिनय, नृत्य और होस्टिंग में बनाई अलग पहचान

देश की जानी–मानी प्लेबैक सिंगर नीति मोहन और डांसर व कोरियोग्राफर शक्ति मोहन की बहन मुक्ति मोहन एक प्रसिद्ध भारतीय अभिनेत्री और डांसर हैं। मुक्ति चार बहनों में से एक हैं।

नीति मोहन और शक्ति मोहन के अलावा उनकी एक और बहन है, जिनका नाम कृति मोहन है। मुक्ति मोहन ने कई फिल्मों, सीरियलों, वेब सीरीज और रियलिटी शो में अपनी एक्टिंग और हुनर का जादू बिखेरा है। उन्होंने अपनी एक्टिंग करियर की शुरुआत 2007 में विशाल भारद्वाज की शॉर्ट फिल्म ब्लड ब्रदर्स से की। इसके बाद वह स्टार प्लस के एक डांस रियलिटी शो जरा नचके दिखा 2 में नजर आईं, जहां उनकी टीम विजेता रही और इस उपलब्धि ने उन्हीं काफी प्रसिद्धि दिलाई।

इसके बाद उन्होंने कॉमेडी सर्कस का जादू और दिल है हिंदुस्तानी 2 जैसे टीवी शो में भी काम किया है। वह झलक दिखला जा और नच बलिए 7 जैसे डांस रियलिटी शोज और फियर फैक्टररू खतरों के खिलाड़ी 7 में भी एक प्रतियोगी के तौर पर नजर आ चुकी हैं।

मुक्ति ने डांसर, कोरियोग्राफर और टेलीविजन होस्ट राघव जुयाल के साथ सिंगिंग रियलिटी शो दिल है हिंदुस्तानी 2 की मेजबानी की है। वेब सीरीज की बात करें तो उन्होंने लोकप्रिय वेब सीरीज इनमेट्स के अलावा लाइफ हिल गई, बटरफ्लाइज, ग्याराह ग्याराह, आदि में अभिनय किया है।

मुक्ति की फिल्मों की बात करें तो वह थार, अ वेडिंग स्टोरी, साहेब बीवी और गैंगस्टर, हेट स्टोरी, कांचीरू द अनब्रेकेबल, मुरां, दारुवू, और टॉपिवाला जैसी फिल्मों में काम कर चुकी है। वह सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती है। मुक्ति अक्सर अपनी बहन शक्ति मोहन के साथ डांस वीडियो शेयर करती रहती है। इसके अलावा फैंस को उनकी कॉमेडी वीडियो भी काफी पसंद आती हैं। मुक्ति थिएटर और परफॉर्मिंग आर्ट्स में भी काफी सक्रिय रहती हैं। उनका खुद का एक मुक्ति मंच नाम का स्टूडियो है। इसके अलावा, कई बार मंच पर उनकी गायकी का टैलेंट भी देखने को मिला है। उन्होंने 5 दिसंबर 2023 को अभिनेता कुणाल ठाकुर के साथ शादी की।

हुमा कुरैशी की फिल्म बेबी डू डाई डू का टीजर जारी, एक्शन–रोमांच से है भरपूर

बॉलीवुड एक्ट्रेस हुमा कुरैशी पिछले कुछ समय से अपनी एक

अपकमिंग फिल्म को लेकर चर्चा में हैं. फिल्म का नाम हैयबेबी डू डाई ड्यू, जो 3 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. अब मेकर्स ने इस फिल्म का एक टीजर वीडियो जारी कर दिया है. टीजर वीडियो में हुमा कुरैशी एक किलर के किरदार में नजर आ रही हैं. टीजर को देखकर कहानी के बारे में तो ज्यादा कुछ पता नहीं चलता है, लेकिन ऐसा लगता है कि हुमा का किरदार अपनी बहन की मौत का बदलने लेने के लिए लोगों का मर्डर कर रही है. टीजर की शुरुआत एक लड़की के वॉयसओवर से होती है. वो कहती है, ये कहानी उस रात शुरू होती है जिस रात मेरा मर्डर हुआ था, लेकिन ये स्टोरी मेरे बारे में नहीं है. ये मेरी गूंगी–बहरी बहन की कहानी है. उसके बाद हुमा कुरैशी के किरदार के एंट्री होती है, जो एक के बाद एक लोगों का मर्डर करती है. वो बोल और सुन नहीं सकती है. शहर में उसका खौफ फैल जाता है. वो हमेशा अपने साथ एक छाता लेकर चलती है. टीजर में दिखाया गया है कि वो मर्डर करने के लिए छाते का ही इस्तेमाल करती है. टीजर काफी जबरदस्त लग रहा है और हुमा कुरैशी काफी इंटेंस लग रही हैं. ऐसा लग रहा है कि इस फिल्म के जरिए वो एक बार फिर से पर्दे पर अपना कमाल दिखाने वाली है. नचिकेत सामंत ने इस फिल्म को डायरेक्ट किया है और हुमा के भाई साकिब सलीम इसके प्रोड्यूसर हैं. चंकी पांडे भी इस पिक्चर में नजर आने वाले हैं. टीजर में एक जगह पर उनकी छोटी सी झलक दिखी है.

कॉकटेल 2 बॉक्स ऑफिसः शाहिद–कृति–रश्मिका की फिल्म 3 दिनों की मोटी कमाई, वर्ल्डवाइड कलेक्शन 70 करोड़ के पार

कृति सैनन, शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना स्टारर रॉम–कॉम फिल्म कॉकटेल 2 ने बॉक्स ऑफिस पर पहले वीकेंड शानदार प्रदर्शन किया. सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने तीसरे दिन के अंत तक वर्ल्डवाइड 76.25 करोड़ रुपये का ग्रॉस किया, जिसमें भारत में 57 करोड़ रुपये और विदेशों में 19.25 करोड़ रुपये शामिल हैं. 31,542 शो में फिल्म का कुल भारतीय नेट कलेक्शन 47.50 करोड़ रुपये रहा.

फिल्म ने अपने पहले सप्ताहांत में लगातार अच्छी कमाई की. पहले शुक्रवार को इस रोमांटिक कॉमेडी फिल्म ने 16.20 करोड़ रुपये का ग्रास कलेक्शन और 13.50 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया. शनिवार को इसने 19.50 करोड़ रुपये का ग्रॉस और 16.25 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया था. रविवार को यह आंकड़ा बढ़कर 21.20 करोड़ रुपये का ग्रॉस और 17.50 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन हुआ.

वीकेंड के अंत तक, फिल्म का भारत में कुल सकल संग्रह 57 करोड़ रुपये रहा, जबकि इसका नेट कलेक्शन 47.50 करोड़ रुपये था. विदेशों में इसका संग्रह 19.25 करोड़ रुपये रहा, जिससे इसका वर्ल्डवाइड कलेक्शन 76.25 करोड़ रुपये हो गया।

रविवार को फिल्म के 10,462 शो हुए, जिनमें से 29 प्रतिशत सिनेमाघरों में दर्शक मौजूद थे. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में सबसे अधिक 1,170 शो हुए, उसके बाद मुंबई में 711 और अहमदाबाद में 582 शो हुए. होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित फिल्म कॉकटेल 2 कुणाल (शाहिद कपूर द्वारा अभिनीत) और दीया (रश्मिका मंदाना द्वारा अभिनीत) के इर्द–गिर्द घूमती है, जो बचपन के प्रेमी हैं. हालांकि उनके बीच गहरा रिश्ता है, लेकिन वे शादी करने को लेकर हिचकिचाते हैं. सिसिली में छुट्टियां बिताने के दौरान उनकी जिंदगी में एक अनएक्सपेक्टेड मोड़ आता है, जहां उनकी मुलाकात दीया की करीबी दोस्त एली (कृति सैनन द्वारा अभिनीत) से होती है, जो उन्हें अपनी सफर की योजना रद्द करके उसके साथ समय बिताने के लिए मना लेती है. जो एक बढ़िया हॉलीडे से शुरू होता है, वह जल्द ही एक इमोशनल सफर में बदल जाता है. जैसे–जैसे असुरक्षाएं उभरने लगती हैं, दीया कुणाल की सच्ची भावनाओं पर सवाल उठाने लगती है और सोचने लगती है कि क्या वह उससे प्यार के कारण शादी कर रहा है या केवल कर्तव्य की भावना से. कॉकटेल 2 बीती 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई.

रोलर स्केटिंग सीखने की सोच रहे हैं? इन 5 बातों का रखें खास ध्यान

रोलर स्केटिंग एक मजेदार और रोमांचक गतिविधि है। यह न केवल आपको फिट रखती है, बल्कि आपके संतुलन को भी सुधारती है। अगर आप रोलर स्केटिंग सीखने की सोच रहे हैं तो यह लेख आपके लिए है। यहां हम कुछ जरूरी सुझाव देंगे, जो आपको रोलर स्केटिंग में मदद करेंगे। सही जूते चुनें, सुरक्षा उपकरण पहनें, सही तरीके सीखें, नियमित अभ्यास करें और संतुलन बनाए रखें जैसे महत्वपूर्ण सुझावों पर ध्यान दें।

सही जूते चुनें

रोलर स्केटिंग के लिए सही जूते का चयन करना बहुत जरूरी है। जूते आरामदायक होने चाहिए ताकि आप लंबे समय तक स्केटिंग कर सकें। इसके अलावा जूतों का आकार और फिटिंग भी सही होनी चाहिए ताकि आपका पैर सही तरीके से जूते में फंसे और फिसले नहीं। अच्छी गुणवत्ता वाले जूते खरीदें जो आपके पैरों को सही सपोर्ट दें और आपको स्केटिंग में मदद करें। ध्यान रखें कि जूतों का तलवा चिकना होना चाहिए ताकि फिसलन बनी रहे।

सुरक्षा उपकरण पहनेंः रोलर स्केटिंग करते समय सुरक्षा उपकरण पहनना बहुत जरूरी है। सिर पर टोपी, घुटनों पर पैड, कोहनियों पर पैड और कलाई पर गार्ड्स पहनें ताकि अगर गिरते हैं तो चोट कम लगेगी। इन उपकरणों से आप सुरक्षित रहेंगे और आत्मविश्वास के साथ स्केटिंग कर सकेंगे। बच्चों को खासतौर पर सुरक्षा उपकरण पहनाने पर जोर दें ताकि वे भी सुरक्षित रहें और बिना किसी डर के स्केटिंग का आनंद ले सकें। सुरक्षा उपकरण पहनकर आप अधिक आराम महसूस करेंगे।

सही तरीके सीखेंः रोलर स्केटिंग सीखते समय सही तरीके बहुत अहम होते हैं। पहले संतुलन बनाए रखने की कोशिश करें, फिर धीरे–ध ीरे गति बढ़ाएं। हाथों को संतुलन बनाए रखने के लिए खुला रखें और घुटनों को थोड़ा मोड़कर रखें ताकि फिसलन बनी रहे। इसके अलावा मुड़ते समय शरीर को हल्का झुकाएं ताकि मोड़ आसानी से कट सके। नियमित अभ्यास से आप इन तरीकों में माहिर हो सकते हैं और रोलर स्केटिंग का पूरा मजा ले सकते हैं।

नियमित अभ्यास करेंः रोलर स्केटिंग में माहिर बनने के लिए नियमित अभ्यास करना बहुत जरूरी है। रोजाना कुछ समय निकालकर स्केटिंग करें और अपनी गलतियों से सीखें। धीरे–धीरे आपकी स्केटिंग में सुधार होगा और आप अधिक आत्मविश्वास महसूस करेंगे। इसके अलावा अलग–अलग सतहों पर स्केटिंग करने की कोशिश करें ताकि आप हर तरह के माहौल में सहज हो सकें। इससे आपकी तकनीक और संतुलन दोनों बेहतर होंगे और आप रोलर स्केटिंग का पूरा मजा ले सकेंगे।

संतुलन बनाए रखेंः संतुलन बनाए रखना रोलर स्केटिंग का सबसे अहम हिस्सा है। हमेशा अपने वजन को दोनों पैरों पर बराबर रखें और घुटनों को थोड़ा मोड़कर रखें ताकि फिसलन बनी रहे। इसके अलावा हाथों को खुला रखें ताकि संतुलन बनाए रखना आसान हो। इन सरल टिप्स को अपनाकर आप रोलर स्केटिंग सीख सकते हैं और इसका पूरा मजा ले सकते हैं। याद रखें कि किसी भी नई गतिविधि को सीखने में समय लगता है, इसलिए धैर्य रखें और नियमित अभ्यास करें।